रीवा

06 अप्रैल 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

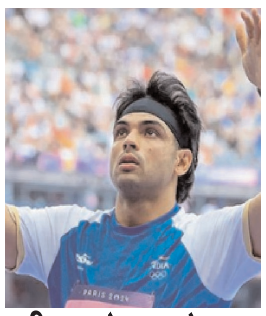

नीरज चोपड़ा घरेलू...

@ पेज 7

मणिपुर में शांति का प्रयास, मेइती-कुकी गुटों के साथ केंद्र सरकार ने की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मणिपुर के मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ शनिवार को बैठक की। ये बैठक इसलिए की गई ताकि अशांत राज्य में स्थायी शांति स्थापित की जा सके। सूत्रों ने बताया कि यह

● अमित शाह ने कही थी बैठक बुलाने की बात

बैठक दोनों समुदायों के बीच मई 2023 से शुरू हुए संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए केंद्र सरकार की पहल के तहत आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि बैठक का उद्देश्य मेइती और कुकी के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना तथा मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए खाका तैयार करना था। बैठक में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (ꣳꣵ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन (ꣳꣴꣵ) के प्रतिनिधियों सहित छह सदस्यीय मेइती प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। कुकी प्रतिनिधिमंडल में लगभग नौ प्रतिनिधि शामिल थे। केंद्र सरकार के वार्ताकारों में खुफिया ब्यूरो के सेवानिवृत्त विशेष निदेशक ए के मिश्रा भी शामिल थे।

इससे पहले गुरुवार को लोकसभा में मणिपुर पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि गृह मंत्रालय ने पहले भी मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि दोनों समुदायों के विभिन्न संगठनों के साथ अलग-अलग बैठकें भी की गई। निचले सदन में हुई संक्षिप्त बहस का जवाब देते हुए शाह ने कहा, ''गृह मंत्रालय जल्द ही एक संयुक्त बैठक बुलाएगा।'' सदन ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने की पुष्टि करते हुए एक वैधानिक प्रस्ताव को मंजूर किया। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार हिंसा को समाप्त करने का रास्ता तलाशने के लिए काम कर रही है, लेकिन सर्वोच्च प्राथमिकता शांति स्थापित करना है। अमित शाह ने कहा कि मणिपुर में स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है क्योंकि पिछले चार महीनों में हिंसा में कोई मौत नहीं हुई है, लेकिन इसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता क्योंकि विस्थापित लोग अभी भी राहत शिविरों में रह रहे हैं।

बता दें कि मणिपुर में नौ फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के बाद 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। राज्य विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2027 तक है, को निलंबित कर दिया गया है। मई 2023 में इंफाल घाटी स्थित मेइती और पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से लगभग 260 लोगों की जान जा चुकी है। संघर्ष के शुरुआती चरण के दौरान मणिपुर के विभिन्न थानों से कई हजार हथियार लूट लिए गए। तीन जनवरी को राज्यपाल का कार्यभार संभालने वाले अजय कुमार भल्ला तब से विभिन्न वर्गों के लोगों से मिल रहे हैं और उनसे राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के बारे में जानकारी ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने अमेरिकियों को दिया कर में छूट और खर्च में कटौती का ये बड़ा तोहफा

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को कर में छूट और खर्च में कटौती का बड़ा तोहफा दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे को ध्यान में रखकर पेश की गई खरबों डॉलर की कर छूट और खर्च में कटौती की रूपरेखा को विपक्ष के कड़े विरोध के बावजूद संसद के उच्च सदन सीनेट ने शुक्रवार देर रात पारित कर दिया। सीनेट ने अपनी मैराथन बैठक में ट्रंप प्रशासन की तरफ से रखे गए प्रस्ताव को 51-48 के नजदीकी अंतर से पारित किया। डेमोक्रेटिक सांसदों ने इसका पुरजोर विरोध किया लेकिन रिपब्लिकन पार्टी भारी पड़ी।

यह घटना ऐसे समय हुई है जब ट्रंप की शुल्क योजनाओं के बाद अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मची हुई है। शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई है और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बढ़ती लागत और संभावित मंदी की आशंकाएं बढ़ गई हैं। ट्रंप की पार्टी के कुछ सांसद भी इस योजना पर चिंता जता चुके हैं। हालांकि ट्रंप की खर्च कटौती वाली रुपरेखा को सीनेट की मंजूरी मिलने से संसद के दोनों सदनों से कर कटौती विधेयक पारित कराने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन पर पांच लाख करोड़ डॉलर से अधिक की कर कटौती का भुगतान करने के लिए चिकित्सकीय मदद और पोषण सहायता जैसे सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में कटौती करने का आरोप लगाया।

चीन का नाम लिए बिना श्रीलंका ने दिया बड़ा संदेश

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने चीन का नाम लिए बिना उसे कड़ा संदेश दिया है। पीएम मोदी की मौजूदगी में उन्होंने भारत को आश्वस्त करते हुए कहा कि श्रीलंका अपने भू-क्षेत्र का उपयोग भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदम उठाने के लिए नहीं होने देगा। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने सामपुर सौर ऊर्जा परियोजना का वर्चुअल उद्घाटन किया। इसके साथ ही भारत एवं श्रीलंका ने रक्षा सहयोग संबंधी समझौते पर बड़ी डील की है। रणनीतिक रूप से भारत के लिए यह समझौता काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच श्रीलंका को बहु-क्षेत्रीय अनुदान सहायता पर भी सहमति बनी। इसके अलावा भारत एवं श्रीलंका ने त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने

के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए। बता दें कि पीएम मोदी बिम्मटेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद शुक्रवार को कोलंबो पहुंचे हैं। दिसानायके के साथ वार्ता से पहले, मोदी का श्रीलंका की राजधानी के मध्य में स्थित ऐतिहासिक 'इंडीपेंडेंस स्क्वायर' (स्वतंत्रता चौक) पर औपचारिक स्वागत किया गया। किसी अन्य देश के नेता को यहां संभवतः पहली बार इस प्रकार सम्मानित किया गया है। दिसानायके ने 'स्क्वायर' पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। 'अधिकारियों ने कहा कि यह पहला मौका है जब किसी अन्य देश के नेता का 'स्क्वायर' पर इस तरह से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद भारत और श्रीलंका ने शनिवार को रक्षा सहयोग संबंधी महत्वाकांक्षी समझौते पर पहली बार हस्ताक्षर किए। इससे भारत और श्रीलंका के रणनीतिक संबंधों का मजबूत आगाज का रास्ता खुल गया है। यह रणनीतिक रूप से भारत के लिए अहम है।

दफ्तर में गलत तरीके से फंसाए जाने से परेशान था संविदा कर्मचारी, ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। झंडेवालान स्थित आयकर कार्यालय में कार्यरत 23 वर्षीय संविदा कर्मचारी ने एक मामले में कथित रूप से ''गलत तरीके से फंसाए जाने के बाद'' नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया प्रारंभिक जांच से पता चला है कि विजय वर्मा ने

आत्महत्या करने से पहले एक अप्रैल को अपने परिवार को ऑडियो संदेश भेजे थे जिसमें उसने कहा था कि वह अपने कार्यस्थल पर एक मामले में ''गलत तरीके से फंसाए जाने'' से परेशान है। सूत्र ने कहा, ''विजय ने ऑडियो क्लिप में कहा कि उसने कोई गलती नहीं की है और उसने सवाल किया कि उसे सजा क्यों दी जा रही है।'' पुलिस उपायुक्त (रेलवे) के.पी.एस. मल्होत्रा ??ने बताया कि मध्य प्रदेश के भिंड का मूल निवासी विजय अपने परिवार के साथ मिंटो रोड स्थित 'सीजीआरसी कॉम्प्लेक्स स्टाफ क्वार्टर' रहता था। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पुलिस को एक रेलवे ज्ञापन मिला, जिसमें बताया गया कि सिग्नल संख्या 144 के पास एक व्यक्ति ट्रेन के नीचे आ गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन की मदद से मृतक की पहचान की। मल्होत्रा ??ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों और ट्रेन चालक ने बताया कि पटरी के पास बैठा युवक सामने से आ रही ट्रेन की ओर भागा। उन्होंने बताया कि शव को एलएचएमसी (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज) शवगृह में रखा गया है और दंड प्रक्रिया संहिता की प्रासंगिक धारा के तहत जांच की जा रही है।

10 अप्रैल से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

अब दिल्ली के लोगों को मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह की मौजूदगी में ꣳꣴꣵ आयुष्मान भारत योजना पर दिल्ली सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, %आज का दिन दिल्ली के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा, जब दिल्ली की जनता को उनका अधिकार मिला। आयुष्मान आरोग्य योजना पूरे देश में लागू थी लेकिन दिल्ली की पिछली सरकार की जिद के कारण, हठ के कारण दिल्ली की जनता को उनका अधिकार नहीं मिल पाया था। दिल्ली की जनता को बेहतर इलाज मिले, उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं मिले, यह दिल्ली सरकार का संकल्प और प्रतिबद्धता है। केंद्र सरकार के साथ दिल्ली सरकार का एमओयू साइन होने के साथ ही इस योजना के लागू होने के सारे रास्ते खुल गए हैं। 10 अप्रैल से

आयुष्मान योजना के कार्ड बनाने और बंटवाने का काम शुरू करेंगे।

इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, %मैं मानता हूं कि यह ऐतिहासिक दिन है। आज यह योजना राजधानी दिल्ली में लागू हो रही है। यह दुनिया का सबसे बड़ा हेल्थ प्रोग्राम है। राजनीति में यह समझना होगा कि गलत फैसले का नतीजा क्या होता है। अरविंद केजरीवाल के अंहकार की वजह से दिल्ली के लोगों को इसका लाभ नहीं लेने दिय गया। अहंकार और घमंड ने दिल्ली की जनता का कितना बड़ा नुकसान किया। केजरीवाल कहते थे कि केजरीवाल को हराने के लिए अगला जन्म लेना होगा। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को इसी जन्म में घर बैठा दिया। इसे मौके पर दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा, %कई वर्षों से दिल्ली की जनता को इस दिन का इंतजार था जो आज साकार हुआ है। दिल्ली की जनता को 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर मिलेगा।

खंडवा में एक साथ उठीं आठ अर्थियां

खंडवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के कोंडावत गांव में दर्दनाक हादसे के बाद भारी दुख और शोक की लहर के बीच शुक्रवार को आठों मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया। गांव में जब एक साथ 8 अर्थियां उठी तो ये दृश्य देखकर हर कोई रो पड़ा। परिजनों के साथ ही पूरे गांव में लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। किसी के

सिर से पिता का साया उठ गया, किसी ने अपना भाई खोया, तो कोई अपने परिवार के जवान बेटे को अर्थी पर लेटा देख बिलख उठा। कोंडावत गांव में किसी के भी घर चूल्हा नहीं जला। गुरुवार को घटित दर्दनाक हादसे ने आठ जिंदगियां छीन लीं, हादसे से पूरे खंडवा जिले में शोक की लहर देखी जा रही है। बता दें कि सफाई करने गहरे कुएं में उतरे 8 लोगों की जहरीली गैस से दम घुटने से मृत्यु के बाद खंडवा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया था। पोस्टमार्टम के बाद आठों के शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए गए।

वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ कोर्ट पहुंचे अमानतुल्लाह खान

कहा- इसे रद्द कर देना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधायक अमानतुल्लाह खान ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। खान ने अपनी याचिका में अनुरोध किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को ''असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 29, 30 और 300-ए का उल्लंघन करने वाला'' घोषित किया जाए और इसे रद्द करने का निर्देश दिया जाए।'' खान ने अपनी याचिका में कहा, ''यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 29, 30 और 300-ए के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह मुसलमानों की धार्मिक और सांस्कृतिक स्वायत्तता को कमतर करता है, यह मनमाने ढंग से कार्यकारी हस्तक्षेप को सक्षम बनाता है और अपने धार्मिक तथा धर्मार्थ संस्थानों का प्रबंधन करने के अल्पसंख्यक अधिकारों को कमजोर करता है।''

कोर्ट पहुंचे ओवैसी और कांग्रेस नेता मोहम्मद जावेद

बता दें कि वक्फ संशोधन विधेयक को लोकसभा, राज्यसभा से पास कर दिया गया है। इसकी संवैधानिक वैधता को चुनौती देने के लिए कांग्रेस के सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी भी शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे।

दोनों नेताओं ने वक्फ संशोधन विधेयक को गैरकानूनी बताया है। वहीं कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, ÷यह विधेयक लोकसभा और राज्यसभा में पारित हो चुका है। अभी इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने बाकी हैं और फिर इसे कानूनी लड़ाई से गुजरना होगा। हम वही करेंगे जो संवैधानिक है। संसद में पारित संशोधन विधेयक असंवैधानिक है।÷

राजस्थान में जमकर सताएगी गर्मी

अगले हफ्ते 2-4 डिग्री तक बढ़ सकता है पारा, मौसम विभाग ने लू का अलर्ट जारी किया

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में गर्मी ने जोर पकड़ लिया है और मौसम विभाग ने आगामी दिनों में कई जगह गर्म हवाएं चलने की चेतावनी दी है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार इस समय राज्य के अधिकतर भागों में अधिकतम तापमान 38 से 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है जो सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस अधिक है। शुक्रवार तक राज्य में सबसे ज्यादा तापमान बाड़मेर में 42.4 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम केंद्र के अनुसार अगले चार-पांच दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा अधिकतम तापमान में और दो से चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने के आसार हैं। राजस्थान के पश्चिमी, दक्षिणी व पूर्वी भागों में 5-6 अप्रैल से अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री होने से 6-9 अप्रैल को कुछ भागों में लू चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने शनिवार से दो जिलों में लू चलने की बात कही है, जो आठ अप्रैल तक जारी रहेगी। आने वाले दिनों में अन्य जिलों में भी ली चलने का

अनुमान जताया गया है। 8 अप्रैल को 23 जिलों में लू चल सकती है।

आईएमडी ने शुक्रवार को बताया कि अगले छह दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में लू चलने और दिल्ली में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। विभाग के मुताबिक, प्रभावित क्षेत्रों में दक्षिणी हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात, राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश शामिल हैं। आईएमडी ने बताया कि इस अवधि के दौरान मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है। दिल्ली में छह या सात अप्रैल तक कुछ स्थानों पर दिन का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है।

मौसम विभाग ने इस सप्ताह की शुरुआत में बताया था कि भारत में अप्रैल से जून तक सामान्य से अधिक तापमान रहने का अनुमान है, साथ ही मध्य एवं पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में लू चलने का अनुमान है।

वक्फ बिल पर आया बाबा बागेश्वर का रिएक्शन

विपक्ष पर बरसते हुए दिया बड़ा बयान

मुंबई (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री उर्फ बाबा बागेश्वर ने मुंबई से सटे ठाणे जिले के भिवंडी में एक सभा को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक के संसद में पारित होने को सनातन धर्म के लिए ऐतिहासिक और गर्व का क्षण करार दिया। बाबा बागेश्वर ने मंच से कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ संसद में 200 से ज्यादा वोट पड़े, लेकिन इसके बावजूद बिल का पास होना सनातनियों के लिए सम्मान की बात है। शास्त्री ने इसे सनातन धर्म को बचाने के लिए उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया।

'बिल का पास होना सनातनियों के लिए गर्व की बात'लोगों को संबोधित करते हुए शास्त्री ने कहा, 'देश का दुर्भाग्य है कि वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ 200 से ज्यादा वोट पड़े। वक्फ बिल का

पास होना सनातनियों के लिए गर्व की बात है। यह बिल सनातन को बचाने के लिए पास हुआ है। जब राम मंदिर बनने की बात होती थी तब कई लोग कहते थे कि उस जमीन पर अस्पताल बना दो, स्कूल बना दो लेकिन किसी को आज तक यह कहते नहीं सुना कि वक्फ बोर्ड की जमीन पर अस्पताल या स्कूल बनाओ। हमें तो डर लग रहा था कि जहां पर महाराज जी का मंदिर बन रहा है वहां पर भी वक्फ वाले दावा न कर दें।'

धीरेंद्र शास्त्री ने महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा, 'भीड़ कौरवों के पास थी, लेकिन जीत पांडवों की हुई थी। कुछ लोग कह रहे थे कि वक्फ बिल के खिलाफ बड़ी एकता है और इसके पास होने पर वे सड़कों पर उतर आएंगे। लेकिन हमने कहा कि जीत उनकी होती है, जिनके साथ भगवान कृष्ण होते हैं, और कृष्ण पांडवों के साथ हैं।' उन्होंने औरंगजेब का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग उसे याद करते थे, लेकिन अब उसका नाम मिटाने का इंतजाम किया जा रहा है। बाबा बागेश्वर ने यह भी दावा किया कि औरंगजेब की कब्र को हटाने की स्थिति बन रही है।

बस ड्राइवर की हार्ट अटैक से हुई मौत, ईंट के ढेर में मारी टक्कर

आगर मालवा (एजेंसी)। आगर मालवा जिले में एक चलती बस के ड्राइवर को अचानक हार्ट अटैक आ गया। वहीं हार्ट अटैक से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी बाइक और ईंटों के ढेर से टकरा गई। यह हादसा शनिवार दोपहर को जिले के कानड़ इलाके में हुआ। गनीमत रही कि बस में सवार यात्रियों को कोई गंभीर

चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों ने तुरंत चालक को कानड़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, आगर मालवा जिले के कानड़ में निजी यात्री बस मालवा ट्रेवल्स बड़ोद से शुजालपुर जा रही थी। ये हमेशा कि तरह कानड़ बस स्टेंड से निकलकर नलखेड़ा जोड़ चौराहे के पास पहुंची थी। तभी बस चला रहे ड्राइवर रईस खा निवासी आगर मालवा को अचानक से हार्ट अटैक आ गया।

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार-2023 के विजेताओं को दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य स्तरीय शिखर खेल पुरस्कार-2023 के अंतर्गत विक्रम, एकलव्य, विश्वामित्र एवं लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त करने वाले मध्यप्रदेश के सभी प्रतिभावान खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल हस्तियों को हार्दिक बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन पुरस्कारों के माध्यम से उन व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प और अनुशासन से न केवल प्रदेश का नाम रोशन किया है, बल्कि भारतवर्ष की प्रतिष्ठा में भी वृद्धि की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों की उत्कृष्ट उपलब्धियां हम सबके लिए गर्व का विषय हैं। यह सम्मान खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के कठिन परिश्रम, साधना और समर्पण का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर सभी अवार्डियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे इसी प्रकार अपने क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ते रहें, नई ऊंचाइयों को छुएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ाने और नई खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

वन विभाग की क्षेत्रीय कार्यशाला जबलपुर में हुई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग द्वारा जबलपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा और बालाघाट वन वृत्त की समीक्षा के लिये क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन जबलपुर में किया गया। कार्यशाला में वन एवं वन्य-जीव संरक्षण विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल ने विभागीय योजनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन और आगामी रूपरेखा तैयार करने के लिये कहा। श्री वर्णवाल ने कहा कि प्रदेश के सभी वन वृत्त में क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इससे वन संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला में अपर मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव, पीसीसीएस कैम्पा श्री एच.यू. खान, एमडी एमएफपीएएफईडी श्री विभाष ठाकुर, पीसीसीएफ एडमिन श्री विवेक जैन, सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू श्री शुभरंजन सेन, पीसीसीएफ एचआरडी श्रीमती समिता राजौरा और वन वृत्त के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में धर्मगुरु भी बता रहे हैं जल की महत्ता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जल संरक्षण की महत्ता को जन-जन तक पहुँचाने के लिये नियमित कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस अभियान में धर्मगुरु भी जुड़ रहे हैं। धर्मगुरुओं की प्रेरणा से नागरिक श्रमदान कर बावड़ी, कुओं और तालाबों को सँवार रहे हैं। इस सिलसिले में जिले के ग्राम बरलाई जागीर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 4 भुजा नाथ मंदिर साँवेर के गुरु श्री आनंदाचार्य भी विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने अपने आश्रम के बटुकों के साथ पूजन-अर्चन किया। मंत्रोच्चार के साथ जल का पूजन भी किया गया। उपस्थितजनों को जल की महत्ता बतायी गयी। धर्मगुरु के आह्वान पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने बरलाई जागीर की प्राचीन बावड़ी के लिये श्रमदान किया।

गाडरवारा नगरपालिका में एक राष्ट्र-एक चुनाव प्रस्ताव पारित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा नगरपालिका की बैठक में सर्व-सम्मति से एक राष्ट्र-एक चुनाव के पक्ष में प्रस्ताव पारित हुआ। बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव का उद्देश्य भारत के लोकतांत्रिक ढाँचे को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाना है।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समावेशित शिक्षा का प्रबंध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स% (सीडब्ल्यूएसएन) की समावेशित शिक्षा का क्रियान्वयन राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जिला शिक्षा केन्द्रों के माध्यम से किया जा रहा है। चिन्हांकित बच्चों की प्रविष्टि केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के प्रबंध पोर्टल पर की जा रही है। प्रविष्टि के बाद इन बच्चों को उनकी आवश्यकता अनुसार सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। विशेष अभियान के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में एक लाख 43 हजार 439, वर्ष 2023-24 में एक लाख 31 हजार 85 सीडब्ल्यूएसएन बच्चों का चिन्हांकन किया गया। वर्ष 2024-25 में चिन्हित बच्चों की प्रविष्टि का कार्य अंतिम चरण में है। प्रदेश में चिन्हित किये गये सीडब्ल्यूएसएन बच्चों को भोपाल की शासकीय ब्रेल प्रेस के माध्यम से ब्रेल लिपि में मुद्रित पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराई गई। राज?य के 322 विकासखंडों में आईईडी संस्थान तैयार कराये गये हैं। वर्ष 2024-25 में प्रत्येक जिले की एक शाला, जहां सीडब्ल्यूएसएन छात्रावास के दिव्यांग बच्चे अध्ययनरत हैं, वहां संसाधन केन्द्र तैयार कराने की कार्यवाही तेजी से की जा रही है।

प्रदेश में दिव्यांग बच्चों को परिवहन भत्ता और स्टायफंड समेत अन्य आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इन बच्चों की शिक्षण व्यवस्था से लगे स्त्रोत सलाहकारों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था भी स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा की गई है। इसके साथ ही दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों, जिला परियोजना समन्वयकों एवं डाइट के प्राचार्यों का उन्मुखीकरण किये जाने के लिये विशेष प्रशिक्षण भी आयोजित किये गये। दिव्यांग बच्चों के चिकित्सीय मूल्यांकन के बाद उनकी आवश्यकता के उपकरण वितरण की कार्यवाही भी की गई। दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास के लिये खेल-कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी वर्ष 2024-25 में नवम्बर-दिसम्बर माह में संपन्न कराये गये। सीडब्ल्यूएसएन श्रेणी के बच्चों में ऐसे बच्चे जिन्हें गृह आधारित शिक्षा की आवश्यकता है, उन्हें 3 हजार 500 रूपये प्रति बच्चे के मान से टीएलएम किट प्रदान की गई। प्रदेश में नया शैक्षणिक-सत्र एक अप्रैल 2025 से शुरू हो गया है। विशेष आवश्यकता वाले (सीडब्ल्यूएसएन) बच्चों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल चलें हम अभियान में इन बच्चों को चिन्हित करने के निर्देश मैदानी अमले को दिये गये हैं। सर्वेक्षण के बाद इन बच्चों की शिक्षा एवं उनसे जुड़े संसाधनों को पूरा करने के लिये कार्य-योजना तैयार की जायेगी।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा आनंद की ओर प्रशिक्षण का आयोजन 7 से 9 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य आनंद संस्थान द्वारा 7 से 9 अप्रैल 2025 तक आरसीपीवी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में आनंद की ओर सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के साथ प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण में जन अभियान परिषद, शासकीय विभागों के अधिकारी और अशासकीय सदस्य भी शामिल होंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य आनंद संस्थान श्री आशीष कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रदेश के कुल 50 प्रतिभागी शामिल होंगे, जिन्होंने संस्थान की वेबसाइट पर पंजीयन कराया है। उन्होंने कहा कि धन, पद, ऐश्वर्य आदि के पीछे भागकर इसके माध्यम से आनंदित रहने की संभावना कम ही है।

सभी छात्रावासों में बनेगी नशा-मुक्ति समितियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत समस्त छात्रावासों में नशा-मुक्ति समितियां गठित की जायेंगी, जो शैक्षणिक संस्थाओं में सक्रिय रहेंगी और छात्र-छात्राओं को नशा और उसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेंगी। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय नशा-मुक्ति समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। प्रमुख सचिव श्रीमती वायंगणकर ने कहा कि भारत सरकार ने अगस्त 2020 से नशा-मुक्त भारत अभियान शुरू किया था। इसमें प्रदेश के सभी 55 जिलों को शामिल किया गया है। अभियान के तहत नशे के दुष्परिणामों से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जायेंगे। मध्यप्रदेश में 11 हजार 500 मास्टर वॉलंटियर्स बनाए गये हैं, जो लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। प्रमुख सचिव श्रीमती वायंगणकर ने राज्य स्तरीय समिति के सभी सदस्यों और विभागों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है। इसमें लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, आयुष विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण विकास विभाग, भारत सरकार नारकोंटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, मध्यप्रदेश पुलिस नारकोंटिक्स विंग, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, यूएनडीपी अहम भूमिका निभायेंगे।

इंदौर के नंदानगर सिविल अस्पताल का निर्माण अंतिम दौर में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। इंदौर के नंदानगर स्थित सिविल अस्पताल का निर्माण कार्य अंतिम दौर में हैं। मई के अंतिम सप्ताह तक सभी कार्य पूर्ण कर जून माह में इसका शुभारंभ किया जायेगा। इस अस्पताल का निर्माण दस करोड़ रूपये की लागत से किया जा रहा है। यह अस्पताल पाँच मंजिला होकर 50 बिस्तरों का रहेगा। अस्पताल में ऑपरेशन, डिलेवरी आदि के लिये अत्याधुनिक साधन और सुविधाएं रहेंगी। यह जानकारी इन्दौर में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा किये गये अस्पताल निर्माण के निरीक्षण के दौरान दी गई। इस अवसर पर विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अस्पताल निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी साधन और सुविधाओं सहित अस्पताल का निर्माण कार्य मई माह के अंत तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाये। जून माह में इस अस्पताल का शुभारंभ किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल के निर्माण में किसी भी तरह की कोर कसर नहीं रखी जायेगी। गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाये।

प्रेस-काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद के नाम का उपयोग करना अवैधानिक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्र सरकार ने प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया (भारतीय प्रेस परिषद) के नाम के अनाधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा एडवाइजरी में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली है, कुछ प्रेस संगठनों द्वारा %प्रेस-परिषद% शब्द का अनुचित उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया की संस्थागत महत्ता प्रभावित हो रही है और उसके विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है। सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया एक सांविधिक निकाय है। इसकी स्थापना प्रेस-परिषद अधिनियम-1978 के तहत प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने और समाचार-पत्रों एवं समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखने एवं सुधारने के उद्देश्य से की गई थी। इसका सचिवालय नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सूचना भवन में है।

सचिवालय द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि भारतीय प्रेस-परिषद की किसी भी राज्य में कोई शाखा नहीं है, न ही उसने किसी अन्य निकाय को अपने समान या मिलते-जुलते नाम का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया है। सचिवालय से जारी निर्देश के अनुसार किसी संगठन द्वारा प्रेस काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद शब्द का उपयोग करना, प्रतीक और नाम के अनुचित उपयोग निवारण अधिनियम, 1950 की धारा 3 और प्रविष्टि 7(द्व्द्व) का उल्लंघन है।

कृषि मंत्री कंषाना ने किसानों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने श्यामला हिल्स स्थित अपने शासकीय निवास बी-3 पर नवरात्रि के सप्तमी पर्व पर पूजा-अर्चना आयोजित की। उन्होंने माँ दुर्गा से प्रदेश के किसानों एवं नागरिकों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना में मंत्री श्री कंषाना की धर्मपत्नी श्रीमती संजू कंषाना और निवास का स्टॉफ सम्मिलित हुआ। पंडित गोविंद चतुर्वेदी द्वारा हवन कराया गया।

प्रदेश के सभी जिलों में अपार जन सहयोग से हो रहे है जल संरक्षण कार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान की राज्य स्तरीय शुरूआत की गई है। जन सहयोग के साथ-साथ प्रशासनिक अमला भी इस अभियान में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहा है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण और जल संवर्धन के कार्यों में अपार जन सहयोग मिल रहा है। रीवा कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर जिले के इटौरा ग्राम की भेड़ौरा नदी के पुनर्जीवन के उद्देश्य से जल संवाद आयोजित किया गया। संवाद में जल संरक्षण के महत्व के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने भेड़ौरा नदी को आदर्श नदी के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया। अब नदी पर प्रतिदिन श्रमदान हो रहा है। नदी की सफाई और गहरीकरण के कार्य को पूरी लगन के साथ किया जा रहा है। मंदसौर जिले में तालाबों, नदी और पुरानी बावड़ी को चिन्हित किया गया है। जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को पानी चौपाल में जल के महत्व और दिन पर दिन बढ़ते जल संकट के बारे में जानकारी दी। ग्रामीणों को सघन पौध-रोपण के लिये अभी से तैयारी करने की समझाइश दी गई। ग्राम रोज्या में तालाब की सफाई और गहरीकरण के लिये ग्रामीणों ने श्रमदान किया। छिंदवाड़ा जिले मेंकलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह के मार्ग दर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान में नवदुर्गा महिला मंडल द्वारा जल कलश यात्रा निकाली गई। जल यात्रा में महिलाओं ने पानी के महत्व से जुड़े नारे लगाये और जल संरक्षण की शपथ ली। जिले के परासिया विकासखंड के पर्यटन स्थल देवरानी दाई की घटामाली नदी में श्रमदान कर कचरा एवं पॉलीथिन की सफाई की गई। महिलाओं ने सार्वजनिक मंदिर प्रांगण को भी साफ किया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बादल भोई की जन्मस्थली डुगरिया तितरा में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। जिले में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिये दीवार लेखन का कार्य भी पूरे उत्साह के साथ किया जा रहा है। धार जिले के विकासखंडा मनावर के ग्राम देवरा में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये सामुहिक श्रमदान किया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर 60 बोरियों का बोरी बांध बनाया। ग्राम देवरा के स्कूल फलिये के पास बहते पानी को रोकने के लिये 25 से अधिक ग्रामीणों ने श्रमदान किया।

श्रमदान में नवांकुर संस्था के पदाधिकारी भी शामिल हुए। ग्रामीणों को बताया गया कि गांव में मौजूद कुएँ, बावड़ी, स्टॉप डेम और तालाब आदि की नियमित सफाई की और जल स्त्रोतों उसके महत्व के बारे में समझाइश दी गई।

विद्यार्थी स्वयं को तपाकर जीवन में प्रगति के मार्ग पर अग्रसर होता है : मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के कैलेंडर सत्र के अनुसार स्कूल अब जुलाई के बजाय अप्रैल में खुलने लगे हैं। गर्मी का यह समय जरूर है लेकिन विद्यार्थी के लिए यही तप का समय है जो आपको जीवन में प्रगति के पथ पर लेकर जाएगा।पहले के समय में बच्चे टाट पट्टी पर बैठकर पढ़ाई करते थे, अब जो संसाधन स्कूलों में उपलब्ध है वह उस दौरान नहीं हुआ करते थे। समय के साथ बदलाव हुआ है। मंत्री श्री पटेल जिले के गोटेगांव विकासखंड के अंतर्गत आने वाले पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खमरिया एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गोटेगाँव में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चौ. जुगल सिंह पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने ने विद्यार्थियों को निन्शुल्क पाठ्य- पुस्तकों का वितरण किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, पूर्व विधायक श्री हाकम सिंह चढ़ार, अन्य जनप्रतिनिधि, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल व्यौहार, अधिकारी- कर्मचारी, विद्यार्थी, अभिभावक व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

कार्यक्रम में मंत्री श्री पटेल ने विद्यार्थियों से कहा कि जो मन में सवाल हो वह पूछे। कक्षा 12 वीं की छात्रा सोनम बर्मन ने मंत्री श्री पटेल से उनके मंत्री पद तक के सफर के बारे में पूछा तो वहीं छात्रा निशा लोधी ने बोलने में आत्मविश्वास कैसे लाए यह प्रश्न किया।

मंत्री श्री पटेल ने अपने विद्यार्थी जीवन से लेकर कॉलेज और इस दौरान राजनीति से उनके जुड़ाव को साझा किया।

सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से कुपोषण को कम करने के लिए पोषण अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष पोषण अभियान के तहत पोषण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से पोषण पखवाड़ा मनाया जाता है। इस पर सातवां पोषण पखवाड़ा 8 से 22 अप्रैल तक मनाया जाएगा। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा %जीवन के प्रथम 1000 दिवस% पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाने व्यापक प्रचार-प्रसार, समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन मॉड्यूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंध तथा बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपने पर बाल जैसे थीम पर केंद्रित विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पोषण पखवाड़ा के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र सेक्टर, परियोजना एवं जिला स्तर की गतिविधियों में स्थानीय पोषण संसाधनों की को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, सामुदायिक जागरूकता और पोषण संवेदनशील कार्यक्रम जैसे आयोजन किए जाएंगे। आंगनबाड़ी केंद्रों में दैनिक गतिविधियों की तिथिवार थीम आधारित कैलेंडर तैयार किया गया है। सभी जिलों में पखवाड़ा के दौरान साइकिल रैली, पोषण रैली, प्रभात फेरी, गर्भवती महिलाओं और धात्री माता एवं किशोरी बालिकाओं के साथ पोषण ट्रैकर में हितग्राही मॉडल पर समूह चर्चा, कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच, एनीमिया जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा।

पोषण पखवाड़ा के दौरान लोक स्वस्थ एवं परिवार कल्याण, आयुष, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण, शहरी विकास सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि पोषण पखवाड़ा के दौरान जिले में प्रत्येक स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार किया जाए।

सभी बिजली कंपनियों में स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने का निर्णय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सभी बिजली कंपनियों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों के लिये स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की जायेगी। यह कार्यवाही समय-सीमा में पूरी करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश शुक्रवार को मंत्रालय में बिजली कंपनियों के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि पूरे वर्ष का टारगेट तय करें और उसी अनुरूप कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि मैं त्रैमासिक समीक्षा करूंगा। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि निर्धारित मापदंड के अनुसार कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जायेगा। साथ ही मापदंड अनुसार काम नहीं करने वाले अधिकारियों को दंडित किया जायेगा। इसी के आधार पर स्थानांतरण और पदोन्नति भी तय की जायेगी। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जनरेशन कंपनी और ट्रांसमिशन कंपनी का नया ओ.एस. (संगठनात्मक संरचना) स्वीकृत हो चुका है। अत: भर्ती की प्रक्रिया जल्द पूरी करें। उन्होंने बिजली कंपनियों द्वारा गत वित्तीय वर्ष में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के लिये बधाई भी दी।

नकली पुलिस बनकर कर रहा था वसूली, ग्रामीणों ने पकड़ा,शराब और अपराध का डर दिखाकर मांगे पैसे

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर के नकतरा गांव में शनिवार को ग्रामीणों ने एक नकली पुलिसकर्मी को पकड़ लिया। आरोपी पुलिस की वर्दी पहनकर आदिवासी बस्ती में अवैध वसूली कर रहा था। खुद को कोतवाली मैहर का पुलिसकर्मी बताने वाले इस शख्स पर तब शक हुआ, जब एक जागरूक युवक ने उससे सवाल-जवाब किए। थाना प्रभारी का नाम पूछने पर वह घबरा गया और गलत जवाब दे बैठा, जिससे उसकी पोल खुल गई।

ग्रामीणों ने जब मिलकर उसे रोका और पूछताछ की, तो उसने अपना नाम सीताराम सिकरवार बताया। वह उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के अलाई बसई गांव का रहने वाला है और पहले ट्रक ड्राइवर रह चुका है। पुलिस पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह पिछले कुछ समय से नकली वर्दी पहनकर जबलपुर के ग्रामीण इलाकों में भी वसूली कर चुका है।

घटना शनिवार दोपहर की है, जब आरोपी ने गांव के लोगों को शराब और अन्य अपराधों में फंसाने की धमकी देकर पैसे वसूले। जब वह बाइक पर बैठकर भागने की कोशिश कर रहा था, तभी एक युवक ने उसे पकड़ लिया। घटना का वीडियो भी ग्रामीणों ने बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस की व्यस्तता का उठा रहा था फायदा: मैहर पुलिस इस समय नवरात्रि मेले की सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्त है, जिसका फायदा उठाकर आरोपी गांव-गांव जाकर भोली-भाली जनता से ठगी कर रहा था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया जा रहा है।

सिंगरौली ननि की गौशाला में 2 महीने में 6 गोवंश की मौत

भूसा-पानी की कमी का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली के देवरा गांव स्थित नगर निगम की गौशाला में पशुओं की लगातार हो रही मौतों का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि भूसा और पानी की कमी से जानवरों की मौत हो रही है। वर्तमान में गौशाला में 37 मवेशी हैं। स्थानीय निवासी केसरी लाल शाह के अनुसार हर दूसरे या तीसरे दिन एक मवेशी की मौत हो जाती है। नगर निगम की गाड़ी चुपचाप मृत जानवरों को ले जाती है। न तो डॉक्टर को बुलाया जाता है और न ही कोई इलाज कराया जाता है।

गौशाला की देखरेख करने वाले छोटेलाल का कहना है कि उन्हें भी समझ नहीं आ रहा कि जानवर क्यों मर रहे हैं। उनके अनुसार नगर निगम की व्यवस्था के तहत जानवरों को समय पर भूसा और पानी दिया जा रहा है। उनकी देखरेख में अब तक 5-7 मवेशियों की मौत हो चुकी है।

नगर निगम कमिश्नर डीके शर्मा ने कहा कि उन्होंने व्यवस्था देख रहे इंजीनियर और गौशाला कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। मवेशियों को भूसे और पानी की कमी न हो और बीमार पशुओं के इलाज की व्यवस्था की जाए। हालांकि उन्होंने भूसे और पानी की कमी से जानवरों की मौत की बात को नहीं माना है। मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है।

स्कॉर्पियो से 18 लाख का 47 किलो गांजा बरामद

सीधी की मड़वास पुलिस ने 4 युवक और एक नाबालिग को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में मड़वास पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो से 47 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इसकी कीमत 8 लाख 46 हजार रुपए आंकी गई है।

मड़वास चौकी प्रभारी केदार परौहा को सूचना मिली थी कि एक सफेद स्कॉर्पियो में जनकपुर छत्तीसगढ़ से गांजा लाया जा रहा था। पुलिस ने ग्राम भदौरा में घेराबंदी कर वाहन को पकड़ा।

गाड़ी में सवार पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें चार युवक और एक नाबालिग शामिल हैं। आरोपियों की पहचान ऋषिमुनि कुशवाहा, वैभव तिवारी, रावेंद्र साहू और उत्कर्ष द्विवेदी के रूप में हुई है।

पुलिस ने गांजा के साथ तस्करी में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो भी जब्त की है। गाड़ी की कीमत 10 लाख रुपए है। कुल जब्ती की कीमत 18 लाख 46 हजार रुपए है।

सीधी एसपी डॉ रविंद्र वर्मा ने आरोपियों को रिमांड के लिए जिला न्यायालय में पेश किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 बी के तहत मामला दर्ज किया है।

सीधी में तालाब में डूबे तीन भाई-बहन, रोज की तरह नहाने गए थे

गहरे पानी में जाने से हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के मड़वास थाना क्षेत्र के समदा गांव में शुक्रवार शाम को तालाब में नहाते समय तीन सगे भाई-बहनों की डूबने से मौत हो गई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रात में मझौली अस्पताल भेज दिया।मृतक बच्चों की पहचान पार्वती प्रजापति (10 वर्ष), आरती प्रजापति (8 वर्ष) और अंतर लाल प्रजापति (5 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों बच्चे अपने पिता मोहन लाल प्रजापति के साथ समदा गांव में रहते थे।घटना शाम के समय की है। बच्चे रोजाना की तरह तालाब में नहाने गए थे। खेलते-खेलते वे गहरे पानी में चले गए। आसपास मौजूद लोगों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

मड़वास थाना प्रभारी केदार परौहा ने घटना की पुष्टि की है। मझौली अस्पताल में रात होने के कारण शवों का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। इसलिए शनिवार सुबह शवों को पोस्टमार्टम होगा।

एक ही परिवार के तीन बच्चों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। ग्रामीण प्रशासन से तालाब के आसपास सुरक्षा के उपाय करने की मांग कर रहे हैं। इससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा।

पीड़ित के पिता मोहन कुम्हार ने बताया कि मैं मिट्टी के बर्तन बनाने का कार्य करता हूं। मेरे तीन छोटे-छोटे बच्चे थे, एक बेटा और दो बेटियां। मैं काम कर रहा था और बच्चे मेरे साथ ही थे, जो तैयार घड़ों को दूसरी जगह व्यवस्थित करने में मेरी मदद कर रहे थे।

काम खत्म होने के बाद, दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच, सभी बच्चे नहाने के लिए पास के तालाब की ओर चले गए। चूंकि इस समय स्कूल की छुट्टियां चल रही हैं, इसलिए सभी बच्चे घर पर ही थे।

कई घंटे बीत जाने के बाद भी जब बच्चे वापस नहीं लौटे, तो हमें चिंता हुई और हमने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान, हमें तालाब में एक शव दिखाई दिया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मैहर आयेंगे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 6 अप्रैल को मैहर जिले के प्रवास पर आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्धारित कार्यर्‍ मानुसार 6 अप्रैल को प्रातः 11.40 बजे रीवा से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर दोपहर 12 बजे हेलीपैड मैहर आयेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां स्थानीय कार्यर्‍ मों में शामिल होने के पश्चात अपरान्ह 3.20 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा मैहर से रीवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल पहुंचे अमरपाटन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल मैहर जिले के प्रवास के दौरान अमरपाटन में पूर्व राज्यमंत्री श्री रामखेलावन पटेल के निवास पहुंचे। उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पूर्व राज्यमंत्री के पिता स्व. भैयालाल पटेल के निधन पर अपनी शोक श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री श्री रामखेलावन पटेल, उनके परिवार जन सहित स्थानीय जन प्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मैहर जिले को देंगे 71 करोड के विकास कार्यों की सौगात

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रामनवमी के दिन 6 अप्रैल को मैहर जिले के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 70 करोड 99 लाख 84 हजार रूपये लागत के विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नवरात्रि के अवसर पर मैहर में मां शारदा देवी के दर्शन-पूजन के उपरांत बंधा बैरियर में आयोजित आमसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यहां मैहर जिले के 71 करोड रूपये लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। इन 52 कार्यों में 43 करोड 16 लाख 49 हजार रूपये के 38 विकास निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 27 करोड 83 लाख 35 हजार रूपये लागत के 14 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

अष्टमी पर शोभा यात्रा में जय श्री राम के जयकारों से गूंजा शहर

विहिप और बजरंग दल के नेतृत्व में हजारों श्रद्धालु शामिल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन में महा अष्टमी और रामनवमी के मौके पर धार्मिक यात्रा निकाली गई। बूढ़ी माता मंदिर से शुरू हुई यात्रा थाना परिसर होते हुए पूरे बाजार क्षेत्र में निकाली गई। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

भगवा वस्त्रधारी श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के जयकारे लगाए। नगर पंचायत अध्यक्ष रामकुमार साहू और पूर्व अध्यक्ष आनंद बिहारी मिश्रा ने अपने समर्थकों के साथ यात्रा में भाग लिया। दोनों नेताओं ने इस आयोजन को सांस्कृतिक और धार्मिक एकता का प्रतीक बताया।प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। तहसीलदार नितिन कुमार झोड़ और थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी पूरे मार्ग पर अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। यात्रा मार्ग पर पुलिस बल तैनात किया गया।

नगर के बाजार मार्गों को भगवा ध्वजों और फूलों से सजाया गया। स्थानीय लोगों ने यात्रियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

किसान गेहूँ विक्रय के लिए 9 अप्रैल तक करा लें पंजीयन: कृषि मंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। किसान भाइयों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ विर्‍ य के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन की अवधि 9 अप्रैल 2025 तक बढ़ा दी है। जिन किसानों ने अभी तक अपना पंजीयन नहीं कराया है, वे 9 अप्रैल तक पंजीयन जरूर करा लें। मंत्री श्री कंषाना ने बताया कि गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है।

जल ही जीवन है के नारे के साथ पानी बचाने का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बच्चे कल का भविष्य है, उनकी रचनात्मकता से भविष्य का सकारात्मक युवा तैयार होगा। इस विचार को आगे बढ़ाते हुए जन अभियान परिषद सतना के जलदूत विभिन्न विद्यालयों में जाकर जल संरक्षण संवाद और जल ही जीवन विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों के बीच जागरूकता और रचनात्मकता का प्रसार कर रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन 30 मार्च से 30 जून तक चलाई जा रही है। इस योजना के तहत शनिवार को कलेक्टर सतीश कुमार एस के मार्गदर्शन में विकासखंड मझगवां अंतर्गत ग्राम पंचायत पाथरकछार में जलदूत परामर्शदाता संजू मिश्रा द्वारा सीएमसीएलडीपी छात्रों एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सहयोग से शा.उ.मा. विद्यालय पाथरकछार के छात्रों के माध्यम से चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों के साथ जल संगोष्ठी कर जल के महत्व से संबंधित लघु फिल्म दिखाकर बच्चों एवं उपस्थित शिक्षकों को जागरूक करने की पहल के साथ जल संरक्षण हेतु शपथ के माध्यम से संकल्पित कराया गया। आयोजित जल संवाद में 100 से अधिक बच्चों ने संवाद कार्यर्‍ म में सहभागिता करते हुए जल स्त्रोतों के महत्व एवं जल का जीवन में महत्व को समझा। चित्रकला प्रतियोगिता में सहभागिता करते हुए छात्रों ने अपने जीवन में जल बचाने के विभिन्न पहलुओं को रंगों के माध्यम से अपनी भावनाओं का प्रकटीकरण ड्राइंगशीट पर किया। चित्रकला प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी बच्चों को पुरस्कृत किया गया। जल संवाद के उपरांत सभी छात्रों को लघु फिल्म दिखाकर जल बचाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई। सभी छात्रों द्वारा इस कार्यर्‍ म में अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए बड़े उत्साह से जल ही जीवन है के नारे लगाए। चित्रकला प्रतियोगिता में सत्यप्रकाश सिंगरौल, प्रियंका प्रजापति, सविता प्रजापति, निधि, दीपिका पाण्डेय, राहुल पाल, सुशील पाल शामिल हुए।

कलेक्टर एवं एसपी ने कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मैहर जिले में एक दिवसीय भ्रमण कार्यर्‍ म के दृष्टिगत कलेक्टर रानी बाटड और पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री जी के कार्यर्‍ म प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं एवं तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री जी के आवागमन के मार्गों एवं कार्यर्‍ म स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी अधिकारी द्वय ने दिए। अधिकारियों ने मैहर शारदा मंदिर परिसर के नीचे बंधा बैरियर के सभा स्थल, हेलीपैड, मंदिर और मुख्यमंत्री जी के मैहर नगर के भ्रमण रूट, आवागमन मार्ग की आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक सहित विभागीय अधिकारियों ने तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

मैहर दर्शन बस सेवा का शुभारंभ आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मां शारदा प्रबंधन समिति की ओर से मैहर दर्शन बस सेवा का शुभारंभ रामनवमी 6 अप्रैल को प्रातः 10 बजे किया जायेगा। जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह बंधा बैरियर से बस सेवा का शुभारंभ करेगी। मैहर दर्शन की एक ट्रिप का किराया 30 रुपए प्रति यात्री होगा। यह बस बंधा बैरियर से प्रारंभ होकर आल्हा मंदिर, आल्हा आखाड़ा, गोला मठ, बड़ा अखाड़ा मंदिर, मैहर किला, अलाउद्दीन खां म्यूजियम, नीलकंठ मंदिर, ओईला बड़ी माई मंदिर आदि स्थलों का भ्रमण करती हुईं वापस बंधा बैरियर आएगी। मैहर दर्शन की यह 32 सीटर बस दिन भर में चार फेरे लगाएगी।

कलेक्टर ने ली व्यवस्थाओं के संबंध में जिला अधिकारियों की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के रविवार 6 अप्रैल को मैहर प्रवास के दौरान प्रस्तावित कार्यर्‍ मों के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने कलेक्टर रानी बाटड ने अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौपी है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शनिवार को जिला अधिकारियों की आयोजित बैठक में कलेक्टर रानी बाटड और पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं और तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में आयोजित कार्यर्‍ मों के लिये प्रभारी अधिकारी एसडीएम मैहर विकास सिंह और सम्पूर्ण कार्यर्‍ म के लिए अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह प्रभारी अधिकारी होंगे। इसके अलावा जिला अधिकारियों में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संजना जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, अधीक्षण यंत्री म.प्र. विद्युत वितरण प्रमिल कुमार मिश्रा, कार्यपालन यंत्री आरईएस सीएल साकेत, उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी बीआर सिंह, सहायक आपूर्ति अधिकारी मैहर राजीव पाण्डेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभिषेक गौर, उप संचालक उद्यानिकी अनिल सिंह, डीआईयू एनआईसी परमीत कौर, मुख्य अभियंता दूर संचार, उप संचालक कृषि मनोज कश्यप, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, जिला आबकारी अधिकारी नवीनचन्द्र पाण्डेय, जल निगम के जीएम विवेक गुप्ता, एसडीओ उप स्वास्थ्य यांत्रिकी मनीष मिश्रा सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अनुभाग स्तर के अधिकारियों को भी व्यवस्थाओं संबंधी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सांसद और विधायक ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सांसद सतना श्री गणेश सिंह और विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी ने भी मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यर्‍ म स्थलों का भ्रमण कर आवश्यक तैयारियों का निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, जिलाध्यक्ष मैहर भाजपा कमलेश सुहाने एवं नगर परिषद मैहर के वार्ड पार्षद तथा स्थानीय जनप्रतिनिध उपस्थित थे। इसके पूर्व सांसद श्री सिंह ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ तैयारियों संबंधी बैठक भी ली।

प्रभारी मंत्री पहुंची मैहर, कल सीएम के कार्यक्रमों में होंगी शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री और मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह शनिवार की शाम मैहर पहुंच कर मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यर्‍ मों के स्थल का जायजा लिया। प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह 6 अप्रैल को मुख्यमंत्री जी के कार्यर्‍ मों में शामिल होने के पश्चात रविवार की रात्रि 9.20 बजे मैहर से रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगी।

विचार

नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी की खोज आसान नहीं है

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (74) के स्वास्थ्य को लेकर राजनीतिक बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। चुनाव प्रबंधक से नेता बने प्रशांत किशोर ने तो यहां तक कह दिया कि नीतीश कुमार शारीरिक तौर पर थके हुए और मानसिक तौर पर निष्क्रिय हो चुके हैं। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाया है। लेकिन हाल में कुछ नेताओं पर बेबाक जानकारी देकर चर्चा में आए ए आई टूल ग्रोक (सोशल मीडिया एक्स) से प्राप्त जानकारी के मुताबिक नीतीश कुमार बिल्कुल स्वस्थ हैं।

ग्रोक को सोशल मीडिया या वैब साइटों पर ऐसी कोई मैडीकल रिपोर्ट नहीं मिली जिससे हिसाब से उन्हें अस्वस्थ कहा जाए। कुछ दिनों पहले एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्र गान के दौरान नीतीश के व्यवहार के बाद उनके स्वास्थ्य पर सवाल उठने लगे। उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटिड (जद-यू) और सहयोगी भाजपा में भी उनके उत्तराधिकारी को लेकर सरगर्मी दिखाई दे रही है। जद-यू के कई नेता उनके 48 वर्षीय बेटे निशांत कुमार को राजनीति में लाने की मांग कर चुके हैं। लेकिन अब सवाल नीतीश के बाद कौन का है? केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह आते हैं, ललन सवर्ण हैं। यही बात उनके आड़े है। अटकलें हैं कि नीतीश की अनुपस्थिति में अति पिछड़ी जाति के पास ही जाएगी। आई.ए.एस. रह चुके और पिछड़ी जाति के ही मनीष वर्मा पार्टी के भीतर तेजी से उभरते नेता माने जाते हैं लेकिन ऐसे ही एक अफसर आर.सी.पी. सिंह का बुरा हश्र देखा जा चुका है। लेकिन नीतीश को कंधे पर उठाए रखना भाजपा की एक मजबूरी है। बिहार में भाजपा मुख्य तौर पर सवर्णों की पार्टी मानी जाती है तो दूसरी तरफ राजद पिछड़ी जातियों, खास कर यादव और मुसलमानों के दमखम पर टिकी है। नीतीश ने राजद से अति पिछड़ों और दलितों से अति दलितों को काट कर नया खेमा तैयार किया और उसके बूते पर 2005 से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आबाद हैं।

शराबबंदी से एक नया वोट बैंक तैयार किया। सरकार को गिराने और दूसरे गठबंधन की सरकार बनाने में वो माहिर हैं। यूं तो 20 सालों में यह उनका चौथा कार्यकाल होना चाहिए लेकिन यह नौवां कार्यकाल है। उधर भाजपा बिहार में अपना मुख्यमंत्री बनाने के लिए लंबे समय से बेताब है। लेकिन यह महाराष्ट्र नहीं, बिहार है। नीतीश की पार्टी में शिंदे के कद का कोई नेता तक उभर नहीं पाया। कम सीटों के बाद भी सत्ता का संतुलन आज भी नीतीश के हाथ में है।

विधान सभा चुनाव के बाद - उधर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह घोषणा कर चुके हैं कि इस साल अक्तूबर-नवम्बर में होने वाले विधानसभा चुनाव में एन.डी.ए. का नेतृत्व नीतीश कुमार ही करेंगे। माना जा रहा है कि जो भी होगा नीतीश की सहमति से होगा। पुत्र को स्थापित करने के अलावा, उनका खुद का भी बड़ा सवाल है।

प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक गंभीर खतरे की है घंटी

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है।

विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए?

वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते?

पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं। जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे आस-पास रहने वाले अबोध जानवरों के पेट में ही पहुंच रहा है, तो आप गलत हैं।

अध्ययन में पता चला था कि लगभग सभी ब्रांडेड बोतल बंद पानी में भी प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण मौजूद हैं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग करते हैं। सरकारों के पास किसी भी नियम या अभियान को अमल में लाने के लिये सारे संसाधन उपलब्ध हैं, इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त भारत के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

श्रीराम के प्रकृति-प्रेम की सकारात्मक ऊर्जा

एक युगांतरकारी घटना के तहत भगवान श्रीराम पांच सौ वर्षों के बाद टेंट से निकलकर मन्दिर में स्थापित हुए। भारत के जन-जन को रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलने लगी है, भारत ने एक नये युग में प्रवेश किया। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति को श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना होगा, स्वयं को श्रीराममय एवं प्रकृतिमय बनाना होगा, तभी प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव रामनवमी मनाना सार्थक होगा। श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। जन्म, बचपन, शासन एवं मृत्यु तक उनका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओतप्रोत है। आज देश एवं दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की शिक्षाओं से मिलता है।

भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ के जरिए निकलने वाले ऑक्सीजन को अवरोध पहुंचाने वाले दैत्यों का वध करके प्रकृति की रक्षा की। जब श्रीराम ने हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहने का संदेश दिया है तो हम वर्तमान में क्यों प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति की रक्षा करें। गोस्वामी तुलसीदास ने 550 साल पहले रामचरित मानस की रचना करके श्रीराम के चरित्र से दुनिया को श्रेष्ठ पुत्र, श्रेष्ठ पति, श्रेष्ठ राजा, श्रेष्ठ भाई, प्रकृति प्रेम और मर्यादा का पालन करने का संदेश दिया है। रामचरित मानस एक दर्पण है जिसमें व्यक्ति अपने आपको देखकर अपना वर्तमान सुधार सकता है एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्या का समाधान पा सकता है।

भारतीय समाज का तानाबाना दो महाकाव्यों रामायण एवं महाभारत के इर्द-गिर्द बुना गया है। इनमें जीवन के साथ मृत्यु को भी अमृतमय बनाने का मार्ग दिखाया गया है। इनमें सशरीर मोक्ष मार्ग के अद्भुत एवं विलक्षण उदाहरण हैं। रामायण में प्रभु श्रीराम चलते हुए सरयू नदी में समा जाते हैं और महाभारत में युधिष्ठिर हिमालय को लांघकर मोक्ष को प्राप्त होते हैं। इन दोनों ही घटनाओं में महामानवों ने मृत्यु का माध्यम भी प्रकृति यानी नदी एवं पहाड़ को बनाकर जन-जन को प्रकृति-प्रेम की प्रेरणा दी है। लेकिन हम देख रहे हैं कि आज हमने मोक्षदायी नदी और पहाड़ों की ऐसी स्थिति कर दी है कि वहां मोक्ष तो क्या जीवन जीना भी कठिन हो गया है। क्या हम नदियों एवं पहाड़ों को मोक्षदायी का सम्मान पुनः प्रदान कर पाएंगे। यह हमारे जमाने का यक्षप्रश्न है जिसका उत्तर देने श्रीराम और

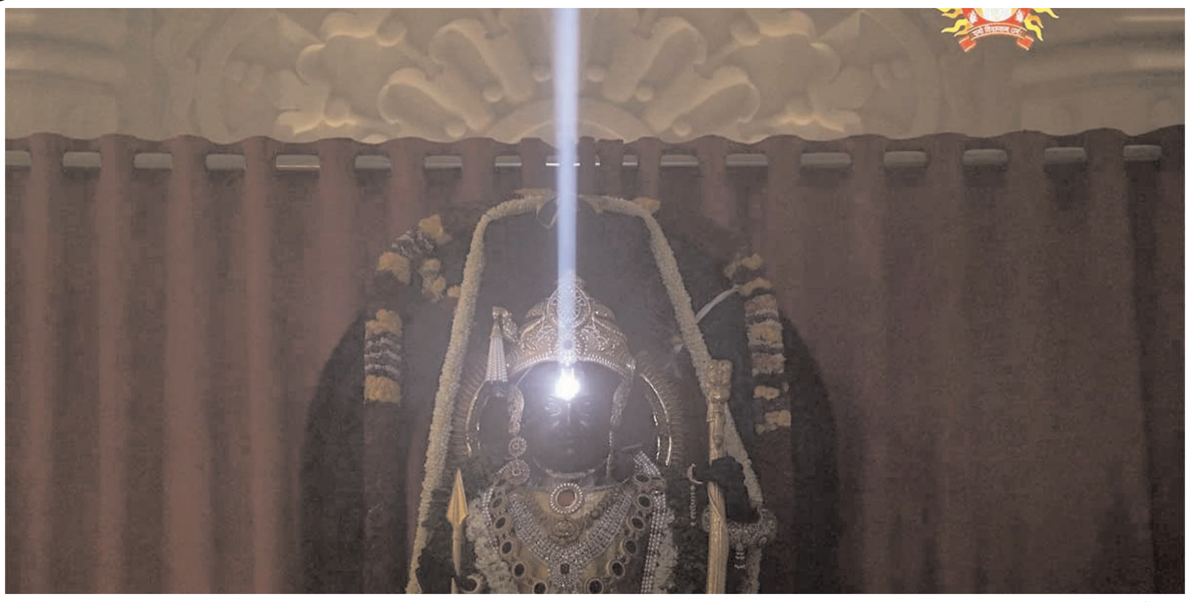

युधिष्ठिर नहीं आएंगे, लेकिन हमें ही श्रीराम एवं युधिष्ठिर बन कर प्रकृति एवं पर्यावरण के आधार नदियों एवं पहाड़ों के साथी बनना होगा, उनका संरक्षण एवं सम्मान करना होगा।

आज संपूर्ण विश्व में नदियों, पहाड़ों, प्रकृति के प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, लेकिन हजारों साल पहले भगवान श्रीराम ने प्रकृति के बीच रहकर प्रकृति को बचाने के लिए प्रेरित किया। भगवान श्रीराम वनवास काल में जिस पर्ण कुटीर में निवास करते थे वहां पांच वृक्ष पीपल, काकर, जामुन, आम व वट वृक्ष था जिसके नीचे बैठकर श्रीराम-सीता भक्ति आराधना करते थे। जो धर्म की रक्षा करेगा धर्म उसी की रक्षा करेगा। आदर्श समाज व्यवस्था का मूल आधार है प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर जीना। रामायण में आदर्श समाज व्यवस्था को रामराज्य के रूप में बताया गया है उसका बड़ा कारण है प्रकृति के कण-कण के प्रति संवेदनशीलता। अनेक स्थानों पर तुलसीदासजी एवं वाल्मीकिजी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को रेखांकित किया है। रामराज्य पर्यावरण की दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न एवं स्वर्णिम काल था। जो बताती है कि प्रकृति रामराज्य का आधार है।

हम श्रीराम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, प्रकृति-प्रेम को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, सर्वोत्तम चेतना के शिखर है, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। प्रभु श्रीराम ने तो प्रकृति के संतुलन के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। प्रकृति के कण-कण की रक्षा के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए!

पर हमने यह नहीं सीखा और प्रकृति एवं पर्यावरण के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। प्रकृति को बचाने के लिये संयमित रहना और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते। आज इक्कीसवीं शताब्दी में पर्यावरण प्रदूषण के रूप में मानव जाति के अस्तित्व को ही चुनौती प्रस्तुत कर दी है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, रेडियो एक्टिव प्रदूषण, ओजोन परत में छिद्र, अम्लीय वर्षा इत्यादि का अत्यन्त विनाशकारी स्वरूप बुद्धिजीवी, विवेकशील, वैज्ञानिकों की चिन्ता का कारण बन चुके हैं। मानव समाज किस समय कौन सी समस्या से ग्रस्त होता है और उसके निदान के लिए समाज के सदस्यों की भूमिका एवं सहभगिता एवं शासकीय प्रयासों की तुलना में अधिक उस समाज के सांस्कृतिक मूल्य अधिक प्रभावी होते हैं। इस संदर्भ में भारतीय संस्कृति के आधार पुरातन ग्रन्थ-वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण के साथ-तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरित मानस का अध्ययन व विश्लेषण अत्यन्त लाभप्रद हो सकता है विशेषकर रामचरित मानस का क्योंकि वर्तमान समय में घर-घर में न केवल रामचरितमानस एक पवित्र ग्रन्थ के रूप में पूजा जाता है। वरन इसका पाठ पारिवारिक व सामाजिक स्तर पर किया जाता है।

दंतेवाड़ा में अमत शाह ने कहा- नक्सली सरेंडर करें, बस्तर पंडुम को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाएंगे

अगले चैत्र-नवरात्रि तक लाल आतंक खत्म हो जाएगा

मीडिया ऑडीटर, दंतेवाड़ा(निप्र)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दंतेवाड़ा में कहा कि अगले चैत्र नवरात्रि तक लाल आतंक खत्म हो जाएगा। बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है। नक्सलियों से अपील है कि वो सरेंडर करें। लोगों से कहा नक्सलियों को सरेंडर कराकर गांवों को नक्सल मुक्त बनाइए। हर गांव को एक करोड़ मिलेगा।

शाह ने कहा कि बस्तर पंडुम को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाएंगे। कांग्रेस ने 75 साल तक गरीबी हटाओ का नारा लगाया। पीएम मोदी ने करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला। करोड़ों गरीबों को फ्री राशन मिल रहा है। नक्सलियों से फिर कहा कि किसी को कोई मारना नहीं चाहता, नक्सली सरेंडर करें। भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार संरक्षण देगी।

इससे पहले मंच पर पहुंचने पर सीएम साय ने उन्हें गौर मुकुट पहनाकर स्वागत किया। उन्हें कोंडागांव का प्रसिद्ध ढोकरा आर्ट भेंट किया।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, माता की पूजा कर संकल्प लिया है कि नक्सलवाद को खत्म करना है।15 महीने से सरकार में हैं। डबल इंजन की सरकार है। गृहमंत्री के मार्गदर्शन में सुरक्षाबल के जवान नक्सलियों से लड़ाई लड़ रहे हैं।नक्सली जब समाप्त हो जाएंगे तब देश-दुनिया के लोग यहां आएंगे। ओडिशा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, समेत अन्य राज्यों के 27 हजार कलाकार बस्तर पंडुम में शामिल हुए हैं।हम मोदी की गारंटी पूरी कर रहे हैं। विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग हैं उनके लिए पीएम जनमन योजना की शुरुआत की है। जिसके लिए सड़क बिजली पानी सब उन लोगों तक पहुंच रही है।जहां भी सुरक्षा कैंप खुले हैं जहां पहले गोलियों की आवाज आती थी वहां अब स्कूल की घण्टियों की आवाज आ रही है।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आने वाले 1 साल में बस्तर लाल आतंक से मुक्त होगा। गृहमंत्री अमित शाह लौह पुरुष हैं। उन्होंने संकल्प लिया है कि बस्तर से नक्सलवाद का खात्मा किया जाएगा।बस्तर के इस कार्यक्रम में सभी जनजातियों के विभिन्न पारंपरिक और सांस्कृतिक परम्पराओं को लेकर आए हैं। इसी को लेकर बस्तर पंडुम का आयोजन हुआ। 32 जनपद, 7 जिलों में आयोजन हुआ। अब संभाग स्तरीय आयोजन किया जा रहा है।आज का यह कार्यक्रम विश्व रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। इतनी विविधताएं लेकर एक कार्यक्रम हुआ है। बस्तर पंडुम को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।बस्तर के गांव नौ जवान विश्व पटल पर सामने आकर अपने मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। बस्तर और देश से नक्सलवाद का खात्मा किया जाएगा। जिसके बाद बस्तर पूरे विश्व में बदलता दिखेगा।

अमित शाह छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे हैं। वहीं पड़ोसी राज्य तेलंगाना के कोत्तागुडम में छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों का सरेंडर हुआ है।भद्राद्रि कोठागुडेम जिला मल्टी जोन - 1 आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने कोठागुडेम हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी।छत्तीसगढ़ के 86 माओवादी पार्टी सदस्यों ने भद्राद्री कोठागुडेम जिले और मुलुगु जिले की पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।सरेंडर्ड नक्सलियों में 66 पुरुष और 20 महिलाएं शामिल हैं।आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन चेयुथा कार्यक्रम के तहत आत्मसमर्पण किया।

आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपये दिए गए।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में आस्था ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि एम.सी.बी जिले से 30 छात्र/छात्राओं ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2025 में सफलता प्राप्त की है। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड से 06 विद्यार्थी, खड़गवां विकासखंड से 20 विद्यार्थी एवं भरतपुर विकासखंड से 04 विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता अर्जित की है। जिले से कु. आस्था ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इनके साथ-साथ छाया कुमारी साहू, अर्पित चौहान, आशीष कुमार सिंह, नैतिक सागर, रोहन मरावी, अन्नू, सोहानी मिश्रा, पवन चतुर्वेदी, अनुरुद्ध पाण्डेय, सौम्या, अरुणा, कृष्निका, अनुप्रिया जायसवाल, साक्षी, इशान साहू, आयुष साहू, अन्नया भारती, समीर, शालिनी, लवकुमार, दुर्गावती, अक्षन्त कुमार, संजना, अंश कुमार, प्रतिभा सिंह, सुलजीत, प्रियांशु और बुद्धम् ने भी इस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता जिले के विद्यालयों के शिक्षकों के अथक परिश्रम और विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी वर्षों में जिले से और अधिक विद्यार्थी इस परीक्षा में चयनित होंगे। इस उपलब्धि से जिले भर में हर्ष और उत्साह का वातावरण है तथा यह सफलता आने वाले विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी।

कोरबा में एसआई रिश्वत लेते गिरफ्तार, 10 हजार लेते पकड़ाया

डीजल चोरी के आरोप में जब्त बोलेरो छोड़ने के लिए मांगे थे 50 हजार

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। कोरबा जिले में एसीबी रिश्वत लेते हुए सहायक उपनिरीक्षक को रंगे हाथ पकड़ लिया। एसीबी ने यह कार्रवाई पंचराम चौहान की शिकायत के आधार पर की है। जिसमें आरोप था कि सहायक उपनिरीक्षक मनोज मिश्रा ने वाहन से जुड़ी एक मामले को निपटाने के एवज में 50,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी।

दरअसल, केसला गांव के निवासी पंचराम चौहान ने एसीबी बिलासपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई कि उनका एक बोलेरो वाहन है। कुछ दिन पहले, रात करीब 1 बजे, मनोज मिश्रा उनके घर आए और बोले कि उनके वाहन से डीजल चोरी हो रही है। इसके बाद उन्होंने वाहन को थाने ले जाने की बात की।

चराम ने जब गाड़ी को थाने नहीं ले जाने की बात कही, तो मनोज मिश्रा ने कहा कि अगर वह चाहते हैं कि गाड़ी को कार्रवाई से बचाया जाए, तो उन्हें 50,000 रुपये की रिश्वत देनी होगी। पंचराम ने इतनी रकम देने में असमर्थता जताई, तो एएसआई ने गाड़ी को अपने पास रख लिया और अगले दिन सुबह गाड़ी को वापस कर दिया। उन्होंने पंचराम से कहा कि पैसे की व्यवस्था जल्द कर ले।पंचराम ने रिश्वत देने से इनकार कर दिया और यह निर्णय लिया कि वह रिश्वत लेते हुए मनोज मिश्रा को पकड़वाएंगे।

इसके बाद, उन्होंने एसीबी बिलासपुर को इस पूरे मामले की सूचना दी और जांच की मांग की। एसीबी ने शिकायत की सत्यता की जांच की और पाया कि शिकायत सही है। इसके बाद, एसीबी ने आरोपी सहायक उपनिरीक्षक को रंगे हाथ पकड़ने के लिए योजना बनाई।

5 अप्रैल को, एसीबी ने पंचराम को 10,000 रुपये की रिश्वत की रकम देने के लिए भेजा। इसके बाद पंचराम ने जब थाना कोतवाली परिसर में एएसआई को यह रिश्वत दी, तो एसीबी की टीम ने मौके पर पहुंचकर सहायक उपनिरीक्षक मनोज मिश्रा को रंगे हाथ पकड़ लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

सहायक उपनिरीक्षक मनोज मिश्रा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में यह कार्रवाई पिछले सात महीनों में प्रदेश में पुलिसकर्मियों के खिलाफ की गई छठी ट्रैप कार्रवाई है।

प्रेमिका के बाद प्रेमी ने भी लगाई फांसी

मीडिया ऑडीटर, अंबिकापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में प्रेमिका के बाद प्रेमी ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने पुलिस पर जांच के नाम पर दबाव बनाने और 50 हजार रुपए मांगने का आरोप लगाकर हंगामा किया। उन्होंने शव का अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। जिसके बाद एसपी ने एक हेड कॉन्स्टेबल को लाइन अटैच कर दिया है। मामला लखनपुर थाना इलाके का है। जानकारी के मुताबिक, चुकनडांड गांव निवासी आशीष मिंज (20) का कोरबा निवासी नाबालिग (16) के साथ अफेयर था। लड़की 20 नवंबर 2024 को अपने प्रेमी के घर गई थी। दूसरे दिन 21 नंवबर को प्रेमी के घर में फांसी लगा ली। जिसके बाद आशीष मिंज ने भी जहर खा लिया था।

मिल संचालक ने किसान को चप्पल ही चप्पल मारा

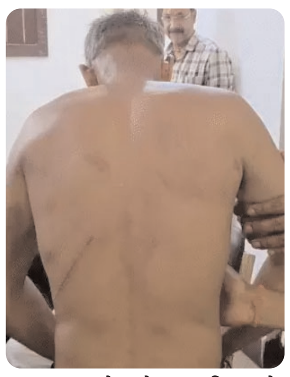

मीडिया ऑडीटर,रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में राइस मिल के मालिक ने एक किसान से मारपीट की है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें मिल संचालक और उसके साथी मिलकर खोरबाहरा जायसवाल को जूते-चप्पल, लात-घूंसों और लकड़ी से पीट रहे है। घटना हथबंद थाना क्षेत्र के ग्राम खिलोरा का है। वीडियो में किसान पर चोरी का आरोप लगाते हुए लगातार 15-20 मिनट तक 4-5 लोग उसे मारते रहे। किसान अपने बचाव में कह रहा है कि उसे एक बार में ही पूरा मार डालो। पीड़ित का कहना है कि मारपीट के बाद आरोपियों ने पुलिस को फोन कर चोरी की झूठी रिपोर्ट भी दर्ज कराई। वहीं परिजन जब थाने में रिपोर्ट लिखवाने गए तो पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। 1 अप्रैल की रात खोरबाहरा जायसवाल नाम का किसान गांव में चल रहे रिकॉर्डिंग डांस प्रतियोगिता देखने गया था। रात करीब 12.30 बजे मिल मालिक के मुंशी शत्रुघ्न नौरंगे उसे स्कूटी पर अपने घर ले गए। वहां मिल मालिक रौनक अग्रवाल, पूर्व सरपंच देवनारायण साहू, शत्रुघ्न नौरंगे और उनके भाई गोरेलाल नारंग ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। हमलावरों ने सिर को बचाते हुए मारपीट की, ताकि खून न निकले। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पीड़ित की पत्नी चंद्रवती जायसवाल, भतीजा दीपक जायसवाल और पुत्र चूमेश जायसवाल ने उसे तुरंत तिल्दा के मिशन अस्पताल में भर्ती कराया। मामले में पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध है। आरोपियों ने पुलिस को फोन कर पीड़ित पर ही चोरी का झूठा आरोप लगा दिया। पीड़ित के परिजन जब थाने रिपोर्ट लिखवाने गए, तो पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। तीन दिन अस्पताल में रहने के बाद पीड़ित को छुट्टी मिली। खिलोरा के ग्रामीणों का आरोप है कि, राइस मिल मालिक ने आधा एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है। सड़क पर किए गए अवैध निर्माण के कारण हादसे होते रहते हैं। गांव वालों ने इस अतिक्रमण को हटाने की बात कही। गांव के शत्रुघ्न साहू ने बताया कि 5 मार्च को मील मालिक रौनक अग्रवाल से उनिवेदन किये थे कि आप सीमांकन करा लीजिए उसके बाद निर्माण कार्य करिए तो उन्होंने ग्रामीणों को साफ इनकार कर दिया था।इस मामले में राइस मिल के संचालक रौनक अग्रवाल ने कहा कि यदि राइस मिल की भूमि पर अतिक्रमण हुआ है तो सीमांकन कर ले। मैं अपने निजी भूमि पर ही काबिज रहूंगा। यदि किसी प्रकार का कोई अतिक्रमण हुआ होगा तो मैं उसे छोड़ दूंगा और दूसरी बात चोरी और मारपीट वाली घटना में मेरे राइस मिल को जोड़ा जा रहा है यह गलत है।हथबंद थाना प्रभारी हरीश सोना ने कहा कि रिपोर्ट पर 296 ,115/2, 3 ,5 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। मामले में विवेचना जारी है। आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। परंतु जल्द पकड़े जाएंगे।

बॉयफ्रेंड के चक्कर में लड़कियों ने की मारपीट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में बॉयफ्रेंड के चक्कर में 6 लड़कियों ने मिलकर एक युवती की पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि, जब वो बाथरूम में नहा रही थी, तब लड़कियां चाकू लेकर घर के अंदर घुस गई। बाथरूम के दरवाजे को लात मार कर खोल दिया। फिर बाल पकड़ा और घसीट कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। वहीं, घर से कैश और गोल्ड की अंगूठी-चेन गायब है। जानकारी के मुताबिक, यह मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है। फैशन डिजाइनर रहनुमा ने शिकायत में बताया कि, वो भावना नगर में किराए के मकान में रहती है। रायपुर में उसकी 6 लड़कियों से पिछले चार साल से दोस्ती थी। 3 अप्रैल को रहनुमा के पास कोमल का फोन आया। उसने कहा कि, वह उसके घर आ रही है।

परिवारढ्ढरू के मुताबिक, शाम करीब 6 बजे रहनुमा नहाने के लिए गई। इस दौरान मेन गेट से खटखटाने की आवाज आई। घर में एक दूसरी सहेली भी मौजूद थे, उसने दरवाजा खोला। तभी अलीशा, अलीशा एम, दिव्या, मंजू, कोमल और रानी घर के अंदर घुस गए। उन्होंने रहनुमा के कमरे में बाथरूम के दरवाजे पर लात मारी। जिससे वह खुल गया। फिर आरोपी लड़कियों ने उसे बाल पकड़ कर घसीटा और उसकी जमकर पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान उन्होंने चाकू भी पकड़ा हुआ था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, चर्चा है कि यह मारपीट बॉयफ्रेंड के चक्कर में हुई है। लड़कियों का आपस में किसी युवक को लेकर विवाद था। इनमें से एक लड़की का युवक से ब्रेकअप हो चुका है। लेकिन उसके बावजूद युवक की पर्सनल लाइफ में दखलअंदाजी को लेकर विवाद हुआ।

हालांकि, विवाद के पीछे की वजह लड़कियों का आपसी मनमुटाव बताया गया है। फिलहाल पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

पीड़िता ने बताया कि, मारपीट के बाद उसके गले में पहनी सोने की चेन गिर गई। इसके अलावा 5 सोने की अंगूठी और घर से करीब 30 हजार कैश गायब है। आरोपी लड़कियों ने उसका आईफोन को भी जमीन पर पटक कर तोड़ दिया। पिलहाल, मामले में पुलिस परिवारढ्ढरू दर्ज कर आरोपी लड़कियों की तलाश कर रही है।

देवर ने भाभी के बॉयफ्रेंड का कुल्हाड़ी से काटा सिर, लाश को जंगल में गाड़ा

मीडिया ऑडीटर, जशपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में देवर ने भाभी के बॉयफ्रेंड को मार डाला। आरोपी ने पहले कुल्हाड़ी से युवक का सिर काटकर धड़ अलग किया, फिर शव को ड्रम में डालकर जला दिया। पकड़े जाने के डर से हड्डियों को चूर-चूर कर नदी में बहा दिया। मामला कांसाबेल थाना क्षेत्र केमुड़ाटोली गांव का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम अनिरुद्ध दास है। वह सीतापुर थाना क्षेत्र के लिचिरमा गांव का रहने वाला था।

केमुड़ाटोली गांव की महिला से अफेयर था, इसलिए वह अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए आया था, लेकिन महिला के देवर ने देख लिया। वारदात को 5 लोगों ने मिलकर अंजाम दिया।

ऑनलाइन-बेटिंग पर हाईकोर्ट सख्त, कहा-कितने ऐप पर एक्शन

चीफ जस्टिस बोले-लोग मेहनत से नहीं, शॉर्टकट से पैसा कमाना चाह रहे, केंद्र-राज्य सरकार से मांगा शपथ-पत्र

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर हाईकोर्ट ने ऑनलाइन बेटिंग ऐप (सट्टा) को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने कहा कि, अब लोग मेहनत से नहीं, शॉर्टकट से पैसा कमाना चाह रहे हैं, जो समाज और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए खतरनाक है।

कोर्ट ने सरकार को कहा कि वैध और अवैध के बीच की रेखा टूटनी नहीं चाहिए। साथ ही हाईकोर्ट ने पूछा कि, महादेव सट्टा ऐप के अलावा और कौन-कौन से ऑनलाइन सट्टा ऐप पर कार्रवाई की गई है। राज्य सरकार, गृह विभाग और केंद्र सरकार से शपथपत्र के साथ जवाब मांगा है।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद वर्मा की खंडपीठ ने शुक्रवार को सुनवाई की। इस केस की अगली सुनवाई 6 मई को होगी। दरअसल, ऑनलाइन बेटिंग ऐप को लेकर रायपुर निवासी सुनील नामदेव ने अधिवक्ता अमृतो दास के जरिए याचिका लगाई है। याचिका में कहा गया है कि कई सट्टा एप्स आज भी खुलेआम सक्रिय हैं। आईपीएल जैसे आयोजनों के दौरान सट्टा एप्स के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई गई।इसके साथ ही ऑनलाइन बेटिंग ऐप की निगरानी के लिए एक स्थायी तंत्र बनाए जाने की मांग भी की गई है।इस पर मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने पूछा कि, महादेव ऐप के बाद अब तक कितने एप्स पर कार्रवाई हुई ? कितनों को प्रतिबंधित किया गया ? केंद्र सरकार को भी मामले में पक्षकार बनाया गया है। वहीं, एक सक्रिय सट्टा ऐप को भी याचिका में शामिल किया गया है।

कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि, इन सक्रिय ऐप्स को चिह्नित कर तत्काल कार्रवाई की जाए।

अमित शाह के कार्यक्रम में जा रहे 2 लोगों की हादसे में मौत

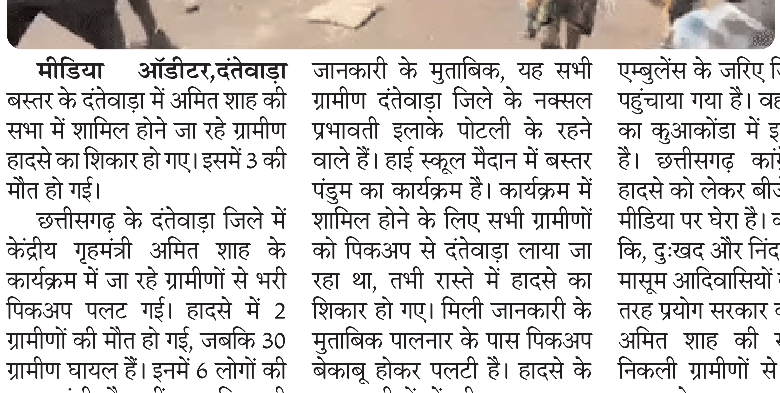

मीडिया ऑडीटर,दंतेवाड़ा बस्तर के दंतेवाड़ा में अमित शाह की सभा में शामिल होने जा रहे ग्रामीण हादसे का शिकार हो गए। इसमें 3 की मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कार्यक्रम में जा रहे ग्रामीणों से भरी पिकअप पलट गई। हादसे में 2 ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि 30 ग्रामीण घायल हैं। इनमें 6 लोगों की हालत गंभीर है। वहीं एक महिला की उंगलियां भी कट गईं। मामला कुआकोंडा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, यह सभी ग्रामीण दंतेवाड़ा जिले के नक्सल प्रभावती इलाके पोटली के रहने वाले हैं। हाई स्कूल मैदान में बस्तर पंडुम का कार्यक्रम है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी ग्रामीणों को पिकअप से दंतेवाड़ा लाया जा रहा था, तभी रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक पालनार के पास पिकअप बेकाबू होकर पलटी है। हादसे के बाद ग्रामीणों में चीख-पुकार मच गई। वो खून से लहूलुहान हो गए। घायलों को फौरन निजी वाहन और एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। वहीं कुछ घायलों का कुआकोंडा में इलाज चल रहा है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने सड़क हादसे को लेकर बीजेपी को सोशल मीडिया पर घेरा है। कांग्रेस ने लिखा कि, दुःखद और निंदनीय। बस्तर के मासूम आदिवासियों को खिलौने की तरह प्रयोग सरकार करना बंद करे। अमित शाह की सभा के लिए निकली ग्रामीणों से भरी पिकअप वाहन के पालनार (दंतेवाड़ा) में पलटने से ग्रामीणों को बेहद गंभीर चोटें आई हैं। महिलाओं की उंगलियां तक हाथ से अलग हो गई हैं। अमित शाह को खुश करने बस्तर पंडुम कार्यक्रम में आदिवासियों की जान जोखिम में डालकर हड़बड़ी में पिकअप वाहनों में ठूंसकर ले जाया जा रहा है।आदिवासी भीषण दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। कांग्रेस ने लिखा कि डबल इंजन सरकार प्रशासन के जरिए जबरन जबरदस्ती भीड़ बुलाकर कार्यक्रम हिट करने में लगी है। कांग्रेस घायलों के इलाज, केंद्र और राज्य सरकार से उचित मुआवजे की मांग करती है।

8 अप्रैल से बदलेगा मौसम, 9-10 से पड़ेंगी बौछारें

मीडिया ऑडीटर, रायपुर(निप्र)। छत्तीसगढ़ में अप्रैल महीने के दूसरे सप्ताह से फिर बारिश का दौर शुरू होने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक 8 अप्रैल से मौसम बदलने के आसार हैं। 9 और 10 अप्रैल के बीच कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं आज मौसम ड्राई रहेगा। अगले तीन दिन अधिकतम तापमान 3 से 5 डिग्री तक बढ़ सकता है। इस दौरान कहीं-कहीं बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश नहीं होगी। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। इस वजह से फिर बारिश की स्थिति बन रही है। शुक्रवार को 37 डिग्री तापमान के साथ बेमेतरा सबसे गर्म रहा।

बेंगलुरु में पत्नी को चाकू मारकर सूटकेस में पैक किया

बेंगलुरु। आरोपी पति ने पत्नी के पेट में चाकू घोंपा, फिर उसका गला रेत दिया। इसके बाद जिंदा पत्नी को सूटकेस डाल बाथरूम में छोड़कर भाग गया। बेंगलुरु में हुए गौरी मर्डर केस में नया एंगल सामने आया है। आरोपी पति राकेश खेडेकर ने पुलिस से कहा- पत्नी गौरी मेरे परिवार को भला-बुरा बोलती थी। माता-पिता और बहन का अपमान करती थी। दरअसल, 26 मार्च को राकेश खेडेकर ने पत्नी गौरी को चाकू मार दिया था। इसके बाद उसको जिंदा ही सूटकेस में पैक करके घर के बाथरूम में छोड़ दिया था। इसके बाद खुद पुणे भाग गया था। राकेश ने गौरी के भाई को घटना के बारे में फोन पर जानकारी दी थी। अगले दिन 27 मार्च को पुलिस ने गौरी का शव बरामद किया था और उसी दिन पुणे से राकेश की भी गिरफ्तारी हुई थी। राकेश और गौरी महाराष्ट्र के रहने वाले थे। राकेश ने बताया कि गौरी ने ही उसे महाराष्ट्र से बेंगलुरु शिफ्ट होने के लिए कहा था। राकेश ने बताया, 'गौरी को बेंगलुरु में नौकरी नही मिल रही थी, इसलिए वह चाहती थी कि हम मुंबई वापस चले जाएं और इस बात पर वह अक्सर बहस करती थी।'

दिल्ली से सीधे श्रीनगर नहीं जाएगी वंदे भारत ट्रेन

श्रीनगर। कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस 19 अप्रैल से कटरा स्टेशन से चलेगी। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरी झंडी दिखाएंगे। यह इस महत्वाकांक्षी रेल प्रोजेक्ट का पहला चरण है। दूसरे चरण में ट्रेन नई दिल्ली से श्रीनगर के बीच चलेगी। रेलवे इसे अगस्त या सितंबर से शुरू करने की तैयारी में है। हालांकि, एक भी ट्रेन नई दिल्ली से सीधे श्रीनगर नहीं जाएगी। नॉर्दर्न रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टिकट नई दिल्ली से श्रीनगर तक का बनेगा, लेकिन यात्रियों को कटरा पहुंचने के बाद ट्रेन बदलनी पड़ेगी। यहां उनकी सुरक्षा जांच होगी। इस प्रक्रिया में 2-3 घंटे लग सकते हैं। इसके लिए कटरा स्टेशन पर अलग लाउंज बना रहे हैं। यह स्टेशन से बाहर होगा। यात्रियों को प्लेटफार्म पर उतरने के बाद बाहर आना होगा। फिर लाउंज में सुरक्षा जांच, आईडी सत्यापन और सामान की स्कैनिंग होगी। इसके लिए तीन से छह स्कैनर मंगाए जा रहे हैं। अतिरिक्त सुरक्षा बल भी तैनात रहेगा।

बेटे कुणाल ने दी मनोज कुमार को मुखाग्नि

मुंबई। एक्टर-डायरेक्टर मनोज कुमार का शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुंबई में जुहू स्थित पवनहंस श्मशान घाट पर उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटकर लाया गया था। यहां उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई।

बेटे कुणाल गोस्वामी ने उनको मुखाग्नि दी। मनोज कुमार के अंतिम संस्कार में प्रेम चोपड़ा, सलीम खान, सुभाष घई, अमिताभ बच्चन बेटे अभिषेक के साथ शामिल हुए।

बता दें कि शुक्रवार को 87 साल की उम्र में मनोज कुमार का निधन हो गया था।

मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के समाज पर होंगे दूरगामी व्यापक प्रभाव-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विविध प्रकार के सकारात्मक और नकारात्मक सामाजिक प्रभाव हो सकते है। उन्होंने बताया कि शालेय जीवन में जिस प्रकार से विज्ञान के वरदान अथवा अभिशाप होने पर चर्चा की जाती थी, कंप्यूटर और इंटरनेट क्रांति के शुरुआती दौर में भी रोजगार को लेकर इसी प्रकार के प्रश्न उठते थे। वर्तमान युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संबंध में भी विभिन्न धारणाएं बन रही हैं, जिनसे इस अत्याधुनिक तकनीक को आशीर्वाद और संकट दोनों ही रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा जताई कि इसके समाज पर दूरगामी सकारात्मक प्रभाव होंगे। उन्होंने दीनदयाल शोध संस्थान को इस गहन विषय पर सेमिनार आयोजित करने के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान द्वारा दिल्ली में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सामाजिक प्रभाव' विषय पर आयोजित सेमिनार के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई आने से यह धारणा बनी है कि इससे बहुत सी नौकरियां खत्म हो जायेंगी। उन्होंने कहा कि जब कम्प्यूटर आये थे, तो यह ही डर बना था। लेकिन जैसे उस वक्त नौकरियां पैदा हुई वैसे ही आज एआई नई नौकरियां पैदा कर रहा है और मौजूदा नौकरियों को बदल रहा है।

खासतौर पर डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और आर्टफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में यह तकनीकी व्यवसायों को नये उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने और उनकी दक्षता में सुधार करने में मदद कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टफिशियल इंटेलिजेंस एक शक्तिशाली तकनीक है, जिसके सामाजिक प्रभाव बहुत गहरे हैं। हमें इस पर विचार करना चाहिये कि किस तरह हम इसे वरदान बनाये। सेमिनार में केंद्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री श्री जितिन प्रसाद, नीति आयोग के सदस्य श्री वी.के. सारस्वत, दीनदयाल शोध संस्थान के महासचिव श्री अतुल जैन, आरआईएस के महानिदेशक श्री सचिन चतुर्वेदी ने भी सत्र में अपने विचार रखे।

टीसीएस मैनेजर की पत्नी निकिता अरेस्ट

आगरा (एजेंसी)। आगरा में टीसीएस मैनेजर मानव शर्मा सुसाइड मामले में आरोपी पत्नी निकिता 40 दिन बाद अरेस्ट हो गई है। पुलिस ने निकिता और उसके पिता निपेंद्र शर्मा को गुजरात के अहमदाबाद से पकड़ा है। शनिवार दोपहर पुलिस उसे लेकर आगरा पहुंची। 24 फरवरी को टीसीएस के रिक्रूटमेंट मैनेजर मानव ने वीडियो बनाकर सुसाइड किया था, लेकिन 28 फरवरी को वीडियो सामने आया था। इसके बाद से पत्नी निकिता फरार चल रही थी। उसकी तलाश में आगरा पुलिस दबिश दे रही थी।

मणिपुर में शांति बहाली पर दिल्ली में बैठक हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शनिवार को दिल्ली में मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक का मकसद दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाली और स्थायी शांति स्थापना था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और सामुदायिक मेल-मिलाप की रणनीति पर चर्चा हुई।

मैतेई समुदाय की ओर से ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गेनाइजेशन और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गेनाइजेशन के 6 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जबकि कुकी समुदाय की ओर से 9 प्रतिनिधि शामिल हुए। इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व स्पेशल डायरेक्टर ए.के. मिश्रा केंद्र सरकार के वार्ताकार के तौर पर मौजूद रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने 3 अप्रैल को लोकसभा में कहा था कि मंत्रालय मैतेई और

कुकी संगठनों के साथ पहले भी बातचीत कर चुका है और जल्द ही संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता मणिपुर में शांति बहाल करना है। मई 2023 में मैतेई समुदाय को स्ञ्ज दर्जा देने के खिलाफ हुए आदिवासी एकजुटता मार्च के बाद हिंसा भड़क उठी थी।

हिमाचल के मंदिरों में अष्टमी पर श्रद्धालुओं की भीड़

शिमला (एजेंसी)। देवभूमि हिमाचल प्रदेश के मंदिरों में अष्टमी पर आज सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी हुई हैं। मशहूर शक्तिपीठ ज्वालाजी मंदिर के बाहर सैकड़ों श्रद्धालु सुबह 7 बजे से मां के दर्शन के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। यही स्थिति बिलासपुर के मां नयना देवी मंदिर, सिरमौर के माता बाला सुंदरी मंदिर और ऊना के चिंतपूर्णी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की सुबह से ही लंबी लंबी कतारें लगी हुई है। मां के जयकारों के साथ श्रद्धालु आगे बढ़ रहे हैं। वहीं पहले पांच नवरात्रों यानी 30 मार्च से 3 अप्रैल तक पर प्रदेश के मंदिरों में 8 लाख 75 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। 3 अप्रैल को 1 लाख 24 हजार श्रद्धालुओं ने मंदिर में हाजिरी भरी है। सबसे ज्यादा श्रद्धालु पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, जम्मू कश्मीर और दिल्ली से आ रहे हैं। इस बार सबसे ज्यादा श्रद्धालु ज्वालाजी मंदिर में पहुंच रहे है। यहां पर 5 दिनों में 3 लाख 34 हजार 708 श्रद्धालुओं ने शीश नवाया है। इसी तरह सिरमौर जिले के माता बाला सुंदर मंदिर में भी 2 लाख 5 हजार 500 श्रद्धालु मां के अलग अलग स्वरूपों की पूजा अर्चना कर चुके हैं। मशहूर शक्तिपीठ बिलासपुर के श्री नयना के श्रद्धालु, ऊना के चिंतपूर्णी मंदिर में 64 हजार 500 श्रद्धालु और कांगड़ा के बगलामुखी मंदिर में 25 हजार 150 श्रद्धालु माता के मंदिरों में माथा टेक चुके हैं।

आरिफ मोहम्मद खान बोले-वक्फ संपत्ति पर गैर-मुस्लिमों का भी हक

पटना (एजेंसी)। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने लोकसभा और राज्यसभा से पास हुए वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा- वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की मानी जाती हैं। इसका इस्तेमाल गरीबों, जरूरतमंदों और जनहित के लिए होना चाहिए। गैर मुस्लिमों का भी वक्फ की संपत्तियों में बराबर का हक है। राज्यपाल ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है। प्रोटेस्ट करने का अधिकार है। हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। जब मैं यूपी में मंत्री था तब वक्फ विभाग मेरे पास ही था। हर

समय मुझे ऐसे लोगों से मिलना पड़ता था, जिनके संपत्ति के मामले चल रहे थे। गवर्नर ने कहा कि इसमें बहुत सुधार की जरूरत थी। यह वक्फ संशोधन विधेयक इसी दिशा में एक कदम है। गर्वनर पटना में पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की 118वीं जयंती पर राजकीय समारोह में पहुंचे थे।

राज्यपाल ने कुरान की आयत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें दो प्रकार के जरूरतमंदों- फकीर (मुस्लिम) और मिस्कीन (गैर मुस्लिम) का जिक्र किया गया है। इसका अर्थ है कि वक्फ से लाभान्वित होने का अधिकार हर जरूरतमंद को है। धर्म के आधार पर नहीं। पटना में वक्फ की बहुत प्रॉपर्टी है, लेकिन आप मुझे बताइए कोई एक संस्था है जो गरीब के लिए काम कर रही है। सिर्फ आपस में मुकदमे बाजी हो रही है ।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली

प्रयागराज (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर आए जज यशवंत वर्मा ने शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश के चैंबर में उन्हें शपथ दिलाई गई। हालांकि उन्हें अभी कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है।

जब तक उनके खिलाफ चल रही जांच पूरी नहीं हो जाती, उन्हें न्यायिक कार्यों से दूर रखा गया है। शपथ के

बाद हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की वरिष्ठता सूची में उनका नाम भी शामिल हो गया है। सूची में जस्टिस वर्मा का नाम 8वें नंबर पर है। आमतौर पर जहां जजों की शपथ सार्वजनिक समारोह में होती है, वहीं जस्टिस वर्मा ने सीजेआई की इजाजत से अपने चैंबर में ही शपथ ली। उधर, इलाहाबाद हाईकोर्ट की बार एसोसिएशन ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर जस्टिस यशवंत वर्मा के शपथ ग्रहण का विरोध किया।

एलओसी पर घुसपैठिया मारा गया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर एलओसी के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। घटना 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में स्न्ष्ट पर आरएस पुरा सेक्टर में हुई, जब सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने संदिग्ध हलचल देखी। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि अब्दुलियां सीमा चौकी पर तैनात जवानों ने एक व्यक्ति को सीमा पार करते देखा। उसे चेतावनी दी गई, लेकिन वह नहीं रुका

और भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करता रहा। सुरक्षा को देखते हुए जवानों ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घुसपैठिए की पहचान और मकसद का पता लगाया जा रहा है। साथ ही घुसपैठिए के शव को मौके से हटाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। इससे पहले 1 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था। घटना पुंछ में एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी। 1 अप्रैल को एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी।

मंडी पहुंची भाजपा सांसद कंगना रनोट

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल की मंडी सीट से सांसद एवं बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट आज सुबह मंडी पहुंचीं। मंडी के मझवाड़ में एक जनसभा में कंगना ने कहा, जब देश आजाद हुआ, तो ऐसा कहा गया कि पाकिस्तान के हिंदू यहां आ जाए और यहां के मुसलमान पाकिस्तान चले जाएं। हिंदू यहां आएं तो पाकिस्तान सरकार ने उनकी जमीनें जब्त कर दी और जब भारत से मुसलमान पाकिस्तान गए तो उन्होंने सारी जमीन वक्फ को दे दी। कंगना ने कहा, इससे जितना क्षेत्रफल पूरे पाकिस्तान का नहीं है, उतना क्षेत्रफल लेकर बैठें हुए हैं। अगर इनको कुछ कहते हैं तो धमकियां देते हैं, देश जला देंगे। कांग्रेस ने इनको इम्यूनिटी दे रखी थी। इस वजह से कानून और कोर्ट भी इनको न पूछ सका। सांसद ने कहा, क्या कोई संस्था या व्यक्ति कानून से बड़ा हो सकता है। इस तरह का कबाड़ा कांग्रेस ने इस देश का किया हुआ था। कंगना ने कहा, इनके षड्यंत्रों से ग्रसित होकर हमारे देश के कई टुकड़े हो गए। कंगना ने कहा, हमारा तो सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी जैसे नेता हमें मिले हैं, जिन्होंने पहले धारा 370 हटाई और अब वक्फ बोर्ड को।

सीएम रेखा गुप्ता ने दिया आयुष्मान भारत का तोहफा, रजिस्ट्रेशन 10 अप्रैल से शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने शनिवार को दिल्ली के नागरिकों के लिए एक बड़ा तोहफा दिया। आज से दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत हो गई है। इसके तहत दिल्लीवासी 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज का लाभ उठा सकेंगे। इस योजना को लागू करने के लिए दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार ने स्न्ब पर हस्ताक्षर किए हैं। दिल्ली सरकार ने इस योजना के लिए 2144 करोड़ रुपये का बजट

पास किया है। योजना की शुरुआत के मौके पर सीएम रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सहित कई केंद्रीय और राज्य मंत्री मौजूद रहे।

सीएम ने इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की वजह से दिल्ली में नहीं हो पाई थी, लेकिन अब यह योजना दिल्लीवासियों के लिए एक बड़ा उपहार साबित होगी।

सैफ अली हमला केस-तीनों टुकड़े एक ही चाकू के निकले

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमला केस में आरोपी शरीफुल इस्लाम की जमानत याचिका पर शुक्रवार को मुंबई की एक कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लैब रिपोर्ट में बड़ा खुलासा किया। पुलिस ने कोर्ट में बताया कि आरोपी से बरामद टुकड़ा, वारदात की जगह से मिला हिस्सा और सैफ की रीढ़ की हड्डी से निकला टुकड़ा, तीनों एक ही चाकू के हैं। आरोपी के खिलाफ मजबूत सबूत हाथ लगे हैं। जल्द ही चार्जशीट दाखिल की जाएगी। आरोपी को जमानत मिली, तो वह बांग्लादेश भाग सकता है। आरोपी की ओर से दाखिल जमानत याचिका में कहा गया था कि स्न्द्धक्र झूठी है और जांच पूरी हो चुकी है, सिर्फ चार्जशीट दाखिल होना बाकी है। मामले की अगली सुनवाई 9 अप्रैल को होगी। सैफ अली खान पर 15 जनवरी को उनके घर सतगुरु शरण अपार्टमेंट में घुसकर हमला हुआ था।

तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हथियार छोड़ किया आत्मसमर्पण, अब तक 224 ने अपनाया शांति का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में हाल ही में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जहां छत्तीसगढ़ के प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के 86 सक्रिय नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें चार एरिया कमेटी सदस्य भी शामिल हैं जिनके सिर पर 4-4 लाख रुपये का इनाम घोषित था। ये नक्सली अब हिंसा छोड़कर शांति और विकास की राह पर चलने का फैसला कर चुके हैं। पुलिस अधिकारियों ने इस अवसर को एक बड़ी जीत बताया है। पुलिस के मुताबिक, आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने बताया कि 'ऑपरेशन चेयुथा' और

आदिवासी समुदायों के लिए चल रही विकास योजनाओं से वे बेहद प्रभावित हुए। इन योजनाओं के चलते उन्हें पहली बार अहसास हुआ कि शांति और तरक्की ही असली समाधान है। तेलंगाना पुलिस ने अपने प्रयासों से आदिवासी क्षेत्रों में विश्वास की एक नई लहर शुरू की है जिससे नक्सल प्रभावित लोग मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। साल 2025 में अब तक तेलंगाना में कुल 224 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। ये आंकड़ा दर्शाता है कि सरकार और पुलिस की योजनाएं कारगर साबित हो रही हैं।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ आप विधायक की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल के बिल के विरोध में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, असम में मुस्लिमों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया गया। वक्फ संशोधन बिल लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पास हो गया है। इसे अब राष्ट्रपति को भेजा जाएगा। उनकी सहमति के बाद यह कानून बन जाएगा। हालांकि, इससे पहले विपक्ष और कई मुस्लिम संगठन इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। शनिवार को आम आदमी पार्टी विधायक अमानतुल्लाह खान ने बिल के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इससे पहले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं लगाई गईं। बिहार के किशनगंज से कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद और एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने यह याचिका

लगाई। इधर, वक्फ बिल का समर्थन करने के बाद भाजपा के सीनियर लीडर और पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन को धमकियां मिल रही हैं। बिल पर 2 और 3 अप्रैल को लोकसभा-राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। राज्यसभा से गुरुवार को बिल पास होने के बाद कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था कि कांग्रेस हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। तमिलनाडु की डीएमके ने भी याचिका लगाने की बात कही थी।

राहुल गांधी बोले- वक्फ बिल मुसलमानों पर हमला करता है राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा- वक्फ बिल मुसलमानों पर हमला करता है और भविष्य में अन्य समुदायों को निशाना बनाने की मिसाल कायम करता है। बिल पास होने के बाद क्र्स्स ने अब कैथोलिक चर्च की जमीन पर फोकस कर लिया है। क्र्स्स को अपना ध्यान ईसाइयों की ओर मोड़ने में ज्यादा समय नहीं लगा। संविधान ही एकमात्र ढाल है जो हमारे लोगों को ऐसे हमलों से बचाता है और इसकी रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है।

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी लिखा- जैसा कि अनुमान लगाया गया था, पहले एक अल्पसंख्यक को निशाना बनाया गया, अब दूसरे पर।

वक्फ संशोधन बिल के संसद से पास होने के खिलाफ देश में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, असम में मुस्लिमों ने सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसमें महिला-बच्चे भी शामिल हैं।

इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ने के बाद खुश हैं जोस बटलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज जोस बटलर ने कहा कि अपनी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी छोड़कर वह हल्का महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कारण वह आईपीएल में अपनी नई मानसिकता के साथ आजाद होकर खेल रहे हैं। दरअसल, इंग्लैंड क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई थी। जिसके बाद जोस बटलर ने कप्तानी छोड़ दी थी। वह इस दौरान खुद रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। लेकिन आईपीएल में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए उन्होंने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। इस 34 वर्षीय बल्लेबाज ने तीन मैच में 166 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। बटलर ने शुक्रवार को पीटीआई से कहा कि, मैं निश्चित तौर पर काफी हल्का महसूस कर रहा हूं। कप्तान के रूप में जब आप अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करते हो तो आप पर इसका दबाव पड़ता है। आप चीजों को सही करने के लिए अपना काफी समय और ऊर्जा लगाते हो। उन्होंने आगे कहा कि, लेकिन अब कप्तानी की जिम्मेदारी से मुक्त होने के बाद मैं काफी सहज महसूस कर रहा हूं। अब मैं अपना पूरा ध्यान अपने खेल पर लगा सकता हूं। बटलर टी20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलते रहे हैं लेकिन हाल में वह इंग्लैंड और अब आईपीएल में गुजरात की तरफ से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित शर्मा को नहीं मिली मुंबई टीम में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का 16वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जा रहा है। जहां मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। वहीं हार्दिक ने इस दौरान मुंबई के फैंस को निराश करते हुए कहा कि, रोहित शर्मा टीम से बाहर हैं। साथ ही मुंबई के कप्तान ने जसप्रीत बुमराह को लेकर भी अपडेट दिया है। हार्दिक पंड्या ने बताया कि, हम पहले गेंदबाजी करेंगे। रोहित शर्मा के घुटने में चोट लगी है जिस कारण वह मैच से बाहर हैं। जसप्रीत बुमराह को जल्द ही वापस आना चाहिए। हार्दिक पंड्या ने पिच को लेकर कहा कि, विकेट ताजा लग रहा है। पता नहीं ये कैसा खेलेगा। अच्छा ट्रैक लग रहा है। बाद में ओस आ सकती है सोचा कि चेज करना बेहतर होगा। मुंबई इंडियंस के कप्तान ने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि हमने सामूहिक रूप से ये फैसला लिया है कि हम विकेट के बारे में बात नहीं करेंगे। हम यहां अच्छा क्रिकेट खेलने आए हैं। ड्रेसिंग रूप में हम इसी बारे में बात करते हैं। चलिए छोड़िए पिच को लेकर बात नहीं करते।

वहीं दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जायंट्स को पहले बल्लेबाजी करके बड़ा स्कोर बनाना होगा जिससे की वो इस मैच को अपने पाले में कर सके। फिलहाल टीम ने एक बदलाव किया है। एम सिद्धार्थ के स्थान पर मध्यम तेज गेंदबाज आकाशदीप को टीम में जगह मिली है।

आईपीएल-नटराजन सहित ये खिलाड़ी अवसर की तलाश कर रहे

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में टी नटराजन सहित कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्हें उनकी टीमों ने बड़ी रकम देकर खरीदा है पर उन्हें अब तक एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला है। ऐसे भी ये खिलाड़ी अभी भी अवसर की तलाश कर रहे हैं

तमिलनाडु के लिए खेलने वाले टी नटराजन ने भारत के लिए 2020 में डेब्यू किया था। घरेलू क्रिकेट में नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 की मैगा नीलामी में 10.75 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर खरीदा था। इसके बाद भी उनको एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला है। इसका कारण है कि टीम में पहले से ही मिचेल स्टार्क, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार और दुष्मंथा चमीरा जैसे गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को मेगा ऑक्शन में रॉयल चैंलेजर्स बेंगलुरु (आरसीबी ने एक करोड़ रुपये में खरीदा था पर टीम के सभी खिलाड़ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में एनगिडी को शायद ही जगह मिले। टीम के पास भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, रसिख सलाम जैसे तेज गेंदबाज पहले से ही हैं।

सूर्यकुमार यादव ने अपने नाम की बड़ी उपलब्धि, आईपीएल में ऐसा करने वाले बने 16वें भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच लखनऊ में मैच खेला जा रहा है। वहीं इस मुकाबले से पहले मुंबई के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। दरअसल, ये सूर्यकुमार का मुंबई के लिए आईपीएल में 100वां मुकाबला है। वह एक ही आईपीएल टीम के लिए 100 या उससे ज्यादा मैच खेलने वाले 16वें भारतीय क्रिकेट बन गए हैं। सूर्या ने मुंबई के लिए कई बेहतरीन पारियां खेली हैं लेकिन इस सीजन में अभी तक उनका बल्ला शांत है। साल 2012 में सूर्या ने मुंबई के लिए आईपीएल डेब्यू किया लेकिन खेलने का मौका नहीं मिला पाया जिसके बाद वह 2014 में केकेआर का हिस्सा बन गए। केकेआर के लिए 54 मैच खेलने के बाद 2018 में मुंबई ने उन्हें दोबारा अपने साथ जोड़ लिया। 2018 सीजन की नीलामी में मुंबई ने केवल 3.2 करोड़ रुपये देकर सूर्या को खरीदा था। इसके बाद से वह लगातार इस टीम का हिस्सा हैं। 2021 तक सूर्या इसी कीमत पर मुंबई का हिस्सा रहे लेकिन 2022 में उन्हें आठ करोड़ रुपये देकर रिटेन किया गया। 2024 तक उन्हें इसी कीमत में टीम के साथ बनाए रखा गया। हालांकि, 2025 सीजन की शुरुआत से पहले 16.35 करोड़ रुपये देकर सूर्या को रिटेन किया गया था। वहीं सूर्या के मुंबई के लिए प्रदर्शन की बात करें तो, उन्होंने अब तक 99 मैचों की 97 पारियों में इस टीम के लिए बल्लेबाजी की है। इस दौरान उनके बल्ले से 35.52 की औसत के साथ 3090 रन निकल चुके हैं। मुंबई के लिए आईपीएल में सूर्या ने अब तक दो शतक और 23 अर्धशतक लगाए हैं। इस टीम के लिए नाबाद 103 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

दिग्वेश राठी ने दोहराया नोटबुक सेलिब्रेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की गेंदबाज दिग्वेश राठी का बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। मिस्ट्री स्पिनर के नाम से मशहूर दिग्वेश ने लगातार बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाया है। हालांकि, पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्हें अपने सेलिब्रेशन के कारण जुर्माना और डिमेरिट पॉइंट झेलना पड़ा था।

सजा मिलने के बाद भी शायद दिग्वेश को बीसीसीआई से डर नहीं लग रहा है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में उन्होंने नमन धीर का विकेट लेने के बाद एक बार फिर नोटबुक सेलिब्रेशन किया। नमन धीर मुंबई के लिए काफी बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे ते और उन्होंने केवल 23 गेंद में 46 रन बना दिए थे। टाइमआउट के तुरंत बाद आए दिग्वेश ने उन्हें एक खूबसूरत गेंद पर क्लीन बोल्ड किया। उन्हें आउट करने के बाद दिग्वेश ने दो तरह की सेलिब्रेशन की। पहले तो उन्होंने नोटबुक सेलिब्रेशन की जिसमें वह कुछ लिखने की एक्टिंग कर रहे थे। उनकी दूसरी सेलिब्रेशन ब्राजील के मशहूर फुटबॉल नेमार से मिलती-जुलती थी। दोनों हाथों के अंगूठे और सबसे आखिरी वाली उंगील को निकालकर उन्होंने टेलीफोन जैसा साइन बनाया और हाथों को हिलाते हुए दिखे। दिग्वेश शायद नोटबुक सेलिब्रेशन को अपना ट्रेडमार्क सेलिब्रेशन बनाने की कोशिश में है। नमन धीर को आउट करने के बाद किए गए इस सेलिब्रेशन से उन्हें किसी भी तरह के नुकसान की उम्मीद नहीं है। पंजाब के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को आउट कनरे के बाद दिग्वेश भागते हुए उनके पास आए और आक्रामक तरीके से नोटबुक सेलिब्रेशन किया था। शायद इसी कारण से उनके ऊपर मैच की फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट लगा था।

पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। किसी भी गेंदबाजी टीम के लिए 20 ओवर पूरे करने का निर्धारित समय 90 मिनट है। लखनऊ की टीम निर्धारित समय से एक ओवर पीछे चल रही थी। इस कारण उसे अंतिम ओवर में 30 गज के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''आईपीएल आचार संहिता के धीमी ओवर गति से संबंधित अनुच्छेद 2.22 के तहत यह उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था,इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।''

इस बीच लखनऊ के स्पिनर दिग्वेश राठी पर आईपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के बाद लगातार दूसरी बार उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

राठी को पंजाब किंग्स के खिलाफ सर्वाधिक विकेट लेने का जश्न मनाने के लिए उनकी मैच फीस का आधा हिस्सा भी देना पड़ा था। उन्होंने मुंबई के बल्लेबाज नमन धीर को आउट करने के बाद फिर से नोटबुक लिखने की शैली में जश्न मनाया।

बीसीसीआई के अनुसार, ''इस सत्र में आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत यह उनका दूसरा अपराध था और इसके लिए उनके खाते में एक और डिमैरिट अंक जोड़ दिया गया है। इस तरह से उनके नाम पर अब दो डिमैरिट अंक जमा हो गए हैं।

आईपीएल के इतिहास में हार्दिक पंड्या ने किया कारनामा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ वो कर दिखाया है जो 18 साल के इतिहास में आज से पहले नहीं हुआ था। पंड्या ने ये काम अपनी गेंदबाजी से किया है। इकाना स्टेडियम में पंड्या ने बेहतरीन गेंदबाजी की और पांच विकेट लिए। इसी के साथ वह लीग के इतिहास में एक काम करने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। पंड्या ने इस मैच में चार ओवरों में 36 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने निकोलस पूरन, ऋषभ पंत, डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आकाशदीप के विकेट झटके। देखा जाए तो पंड्या ने अपनी गेंदबाजी से लखनऊ के बड़े बल्लेबाजों का शिकार किया। इसी के साथ पंड्या आईपीएल के इतिहास में एक पारी में पांच विकेट लेने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। उनसे पहले अभी तक किसी भी कप्तान ने आईपीएल में ये पंजा नहीं खोला था। इसी के साथ ये पंड्या ने आईपीएल में और अपने टी20 करियर में भी पहली बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। पंड्या ने इस मैच में पिच को अच्छे से समझा और उसके मुताबिक ही गेंदबाजी की।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले ये खिलाड़ी हुआ बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के बाद भारत और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन इस सीरीज से पहले ही इंग्लैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम के तेज गेंदबाज ओली स्टोन चोट लगने के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। पिछले साल 2 माच में 7 विकेट लेने वाले 31 वर्षीय स्टोन का 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली सीरीज से बाहर होना तय है। ये दौरान 4 अगस्त को खत्म होगा। इंग्लैंड टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज स्टोन ने पांच टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने पांचवां टेस्ट पिछले साल अगस्त- सितंबर में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। आईसीसी ने शुक्रवार यानी 4 अप्रैल को इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के हवासे से कहा गया, मार्च में नॉटिंघमशायर के प्री-सीजन अबू धाबी दौरे के दौरान उनके दाहिने घुटने में काफी तकलीफ हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक 17 टेस्ट विकेट लेने वाले स्टोन अगस्त में इंग्लैंड टीम में वापसी का लक्ष्य रखेंगे। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि, आगे के स्कैन से पता चला है कि सर्जरी की जरूरत है। सर्जरी इस हफ्ते के आखिर में होगी। 31 वर्षीय खिलाड़ी 14 खिलाड़ी तक मैदान से दूर रहेगा। वह द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट के साथ खेलते दिख सकते हैं। वहीं स्टोन रिहैब के दौरान ईसीबी और नॉटिंघमशायर दोनों की मेडिकल टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। स्टोन चोटिल होने वाले इंग्लैंड के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज मार्क वुड इस साल की शुरुआत में चोटिल हो गए थे। इंग्लैंड को भारत के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ 1 टेस्ट मैच ट्रेंटब्रिज में 22 मई से खेलना है।

नीरज चोपड़ा घरेलू इवेंट में लेंगे हिस्सा, पंचकूला में 24 मई को आयोजित होगी प्रतियोगिता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा जल्द ही भाला फेंक प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। दरअसल, हरियाणा के पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 24 मई को क्लासिक भाला फेंक इवेंट का आयोजन होगा जिसमें नीरज चोपड़ा भी हिस्सा लेंगे।

चोपड़ा 374 दिनों के अंतराल के बाद भारत में प्रतिस्पर्धा करेंगे और घरेलू मैदान पर उनकी आखिरी प्रतियोगिता मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप होगी। वहीं 374 दिनों के बाद नीरज भारत में प्रतिस्पर्धा करेंगे। साथ ही उनकी घरेलू मैदान पर उनकी आखिरी प्रतियोगिता मई 2024 में भुवनेश्वर में फेडरेशन कप थी।

वहीं इंडियन एक्सप्रेस के हवाले से एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि इस नीरज चोपड़ा क्लासिक इवेंट में नीरच चोपड़ा और दुनिया के अन्य टॉप जेवलिन थ्रोअर शामिल होंगे।

24 मई को पंचकूला में ये प्रतियोगिता होगी। साथ ही इस प्रतियोगिता की अन्य औपचारिकताओं को आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाएगा। फिलहाल नीरज चोपड़ा ने पिछले साल पेरिस में आयोजित ओलंपिक में अपना दूसरा ओलंपिक पदक जीता। हालांकि, वो पेरिस ओलंपिक में अपने गोल्ड मेडल का बचाव नहीं कर पाए और सिल्वर मेडल से उन्हें संतोष करना पड़ा। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में 87.86 मीटर का थ्रो किया था।

परिजन ने पुलिस पर लगाया हत्या का आरोप, एसडीओपी को हटाया, मजिस्ट्रियल जांच होगी

एक ही चिता पर पिता और दो बच्चों के शवों का किया गया अंतिम संस्कार

एसडीओपी अंकिता सूल्या को हटाया, आईजी कार्यालय में अटैच किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज के गडरा गांव में पिता और दो बच्चों के शव मिलने के बाद से मातम हैं। परिजन और ग्रामीणों में पुलिस को लेकर काफी गुस्सा है। उन्होंने पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप लगाया था। मामले की सीबीआई जांच और एसडीओपी को हटाने की मांग को लेकर अड़ गए थे। उन्होंने अंतिम संस्कार करने से भी मना कर दिया था। कलेक्टर और एसपी के काफी देर समझाने के बाद वे अंतिम संस्कार के लिए माने। परिजन की मांग पर एसडीओपी अंकिता सूल्या को हटा दिया गया है। उन्हें आईजी ऑफिस अटैच किया है। वहीं कलेक्टर ने कहा कि मामले की मजिस्ट्रियल जांच होगी।

एसडीओपी अंकिता सूल्या

फंदे पर मिले थे पिता-दो बच्चों के शव: बता दें कि गडरा गांव में शुक्रवार को औसेरी साकेत (55), उसकी बेटी मीनाक्षी (11) और बेटे अमन (8) के शव घर में फंदे पर मिले थे। शव पूरी तरह सड़ और गल चुके थे। परिजन ने आरोप लगाए हैं कि पुलिस ने पिटाई के बाद शव फंदे से लटका दिए। इसी गांव में 15 मार्च को एक युवक सनी द्विवेदी की आदिवासियों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद हुई हिंसा में एएसआई रामचरण गौतम की मौत हो गई थी। 15 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे। तब से गांव में धारा 144 लागू है और पुलिस बल तैनात हैं।

पड़ोसियों ने बदबू आने पर बुलाई थी पुलिस: शुक्रवार को घर के अंदर से बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस गेट खोलकर अंदर गई तो तीन शव फंदे से झूल रहे थे। औसेरी के भाई की पत्नी ने आरोप लगाया था कि पिछले दिनों हिंसा के बाद गांव में सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस ने जेठ से मारपीट की थी। उसी दिन से उन्होंने घर का गेट नहीं खोला। उन्होंने अपने से फांसी नहीं लगाई हैं। इसके लिए पुलिस जिम्मेदार है।

परिजन बोले- घर में घुसकर मारती थी पुलिस: कुसुमकली ने बताया, जेठ और उनके बच्चों के शव मिले हैं। हम दो किलोमीटर दूर रहते हैं। यहां गांव में 15 मार्च को विवाद हुआ था, इसके बाद से कोई घर से बाहर नहीं निकल रहा था। गांव में जो पुलिस तैनात थी वो लोगों को घर में घुसकर मारती थी। महिलाओं को भी पीटा जाता था। पुलिस ने जेठ से भी मारपीट की थी।

'सुरक्षा करने वाली पुलिस ने फांसी पर लटका दिया': मृतक औसेरी के परिजन रामकली साकेत ने कहा, पुलिस कहती थी कि किसी के घर मत जाना। किसी को अपने पास मत बैठाना, हम तुम्हारी सुरक्षा करेंगे। हिंसा के बाद पुलिस ने घर में घुसकर लोगों को पीटा है। छोटे-छोटे बच्चों को उठाकर खेत में फेंक दे रहे थे। रात में पुलिसवाले घर में घुसकर महिलाओं को मार रहे थे। कुंडी लगाकर पीटा है।

सीबीआई जांच की मांग पर अड़े थे परिजन

शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद जब पुलिस और प्रशासन के अधिकारी एंबुलेंस से शव लेकर गांव पहुंचे तो परिजन ने एंबुलेंस को घेर लिया और सीबीआई जांच की मांग को लेकर अड़ गए। सूचना मिलने के बाद कलेक्टर संजय जैन और एसपी दिलीप जैन मौके पर पहुंचे। पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना के बीच उन्होंने परिजन से चर्चा की। 4 बजे परिजन अंतिम संस्कार के लिए माने। मृतक के बेटे पवन का कहना था कि जब तक सीबीआई जांच की घोषणा नहीं होती, अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। परिजन ने एसडीओपी अंकिता सूल्या को निलंबित करने की मांग भी की। उनका आरोप था कि एसडीओपी अंकिता और अन्य पुलिसकर्मियों ने उनका मोबाइल छीन लिया था। घर के अंदर भी घुसने नहीं दिया।

स्कॉर्पियो कार में लगी आग, चालक और यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में शुक्रवार देर रात एक चलती स्कॉर्पियो में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई। गाड़ी में सवार लोगों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, नगर के राज सिंह अपनी स्कॉर्पियो सिरमौर चौराहे से रेलवे स्टेशन की तरफ जा रहे थे। इस दौरान ट्रांसपोर्ट नगर के सामने अचानक गाड़ी के बोनट की तरफ से आग की लपटें निकलने लगीं। चालक और यात्रियों ने तुरंत गाड़ी से छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क के दोनों तरफ जाम लग गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। दमकल और सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

ई-केवाईसी में लापरवाही बरतने वाले 24 सेल्समैनों पर हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशानुसार जिले मे उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान प्राप्त करने वाले समस्त हितग्राहियो का उचित मुल्य दुकानों के विक्रेता द्वारा पीओएस मशीन से ईकेवाईसी किया जा रहा है। जिले में राशन कार्डधारी परिवारों की कुल सदस्य संख्या 12 लाख 59 हजार 868 है। इनमें से अब तक 904016 सदस्यों की ईकेवाईसी पूर्ण की गई है। यह शेष पात्र सदस्यो की ईकेवाईसी पूर्ण किए जाने के लिए 15 अप्रैल की समय-सीमा तय की गई है। समीक्षा करने पर पाया गया कि सबसे कम प्रगति अनुभाग मनगंवा अंतर्गत दुकानों में है। ई केवाईसी करने में लापरवाही बरतने वाले उचित मूल्य दुकान के 24 सेल्समैनों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। उचित मूल्य दुकान बेलवा कुर्मियान मे मात्र 42.7 प्रतिशत, सहेवा मे 54.0 प्रतिशत, मढीखुर्द 49.6 प्रतिशत, मौहरिया मे 48.1.1 प्रतिशत, उचित मूल्य दुकान बडोखर मे 44.5 प्रतिशत तथा उचित मूल्य दुकान बेलवा बडगैयान 55.8 प्रतिशत राशन कार्डधारियों की ईकेवाईसी की गई है। कम प्रगति के कारण इन सभी उचित मूल्य दुकानों पर जुर्माना लगाकर प्रतिभूति की समस्त राशि शासन हित मे राजसात की गयी है। साथ ही इन दुकानों के विक्रेताओं को पृथक करने का नोटिस दिया गया है।

इस संबंध में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बताया कि गुढ तहसील में 14 उचित मूल्य दुकानों तथा मंनगवा अनुभाग अंतर्गत 10 दुकानों के सेल्समैनों को नोटिस जारी किया गया है। उचित मूल्य दुकान ऐतला, रायपुर, रौरा, देवरा फरेंदा, टाटिहरा, मनिकवार 2, मनिकवार, सुरसाकला, पलिया-351 दुकानों द्वारा 50 प्रतिशत से कम ईकेवाईसी प्रगति पर प्रतिभूति राशि राजसात की गई है। इन दुकानों के विक्रेताओं को भी पद से पृथक करने की चेतावनी दी गयी है।

तेज़ रफ्तार बाइक की टक्कर से पति, पत्नी और पुत्री गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। तेज़ रफ्तार बाइक की टक्कर से पति, पत्नी और पुत्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। तीनों लोग बाइक में सवार होकर गांव से शहर की ओर आ रहे थे। तभी तेज़ रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसा सेमरिया थाना क्षेत्र के बीड़ा गांव के समीप हुआ है। घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से संजय गांधी अस्पताल रीवा लाया गया है। जहां उनका उपचार कराया जा रहा है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक सेमरिया निवासी अब्दुल कलाम बीती शाम पत्नी सलमा बानो और पुत्री के साथ बाइक से रीवा आ रहे थे तभी एक तेज़ रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। अचानक हुए इस हादसे के दौरान बाइक सवार पति, पत्नी और पुत्री तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दुर्घटना कारित करने के बाद तेज़ रफ्तार बाइक सवार मौके से फरार बताया गया है।

एपीएसयू में छत से गिरी छात्रा के टूटे पैर, पिता ने लगाया धक्का देने का आरोप

विवि में बीएससी बायोटेक की छात्रा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की बिल्डिंग से एक छात्रा के गिरने का मामला सामने आया है। छत से गिरी छात्रा के पैर फ्रैक्चर हो गए हैं। जिसे उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया है। छात्रा के पिता द्वारा धक्का देने का आरोप लगाया गया है। पिता द्वारा जांच की मांग भी की जा रही है। घटना के संबंध में बोदा बाग़ निवासी महेंद्र तिवारी ने बताया है कि उनकी पुत्री स्नेहा तिवारी अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में बीएससी बायोटेक फर्स्ट ईयर की छात्रा है। वह रोज़ की तरह आज भी पुत्री को विश्वविद्यालय छोड़ने गए थे, जहां से वापस लौटने के बाद कुछ ही देर में फोन पर छात्रा के छत से गिरने की सूचना मिली।

मौके पर पहुंचे पिता ने घायल पुत्री को संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया। और उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि छात्रा को विश्वविद्यालय की बिल्डिंग के पहले माले की छत से किसी ने धक्का देकर नीचे गिरा दिया। जिससे छात्रा के पैर फ्रैक्चर हुए हैं उसे गंभीर चोटें भी आई हैं। छात्रा के पिता का कहना है कि भविष्य में इस तरह की घटना न हो इसलिए जांच कराई जानी चाहिए।

ग्राम पंचायतों में पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की करें व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गर्मी बढ़ने के साथ नदी-नाले तथा अन्य जलाशय सूखने लगते हैं मानवों के साथ-साथ पशु-पक्षियों को भी गर्मियों में पानी के लिए भटकना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी ग्राम पंचायतों में आमजनों के लिए पेयजल की व्यवस्था करने के साथ-साथ पशु-पक्षियों के लिए भी पानी की व्यवस्था करें। ट्यूबवेल और हैण्डपंपों के पास पानी की हौदी बनाकर पशुओं के लिए पानी उपलब्ध कराएं। ग्रामीण क्षेत्र में पक्षियों के लिए भी सकोरे अथवा अन्य जल पात्र वृक्षों में लटकाकर पानी की व्यवस्था कराएं। ग्राम पंचायत के सभी पानी के टैंकर दुरूस्त रखें। यदि किसी बसाहट में पानी की कमी होती है तो टैंकर से पानी की आपूर्ति कराएं। रीवा और मऊगंज जिले के सभी ग्राम पंचायतों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

दो बाइकों के बीच हुई भिड़ंत में पांच लोग घायल, दो के पैर टूटे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शनिवार सुबह दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में दोनों बाइक में सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटनाग्रस्त हुई इन बाइकों में से एक में दो सगे भाई तो दूसरी बाइक में एक ही परिवार के तीन सदस्य सवार थे। हादसा गड्डी रोड स्थित लक्ष्मणपुर के समीप हुआ। अचानक हुए इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को एंबुलेंस की मदद से संजय गांधी अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के मुताबिक एक बाइक में टीकर निवासी दो सगे भाई सवार थे, जिनकी पहचान नारायण गुप्ता और शिवम गुप्ता के रूप में की गई जबकि दूसरी बाइक में एक ही परिवार के तीन सदस्य सवार थे। इस हादसे में दो लोगों के पैर फ्रैक्चर हो गए। जबकि तीन अन्य लोग भी घायल बताए जा रहे हैं। फिलहाल सभी घायलों को संजय गांधी अस्पताल लाया गया है जहां उपचार जारी है।

सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिये हुई परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सैनिक स्कूलों में कक्षा 6 और 9 में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित की गई। ये परीक्षा रीवा सहित प्रदेश के चार शहरों में हुई। जिसमें रीवा, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर शामिल हैं। परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा कराया गया। रीवा के छह परीक्षा केंद्रों पर कुल 3 हज़ार 192 परीक्षार्थीयों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन दिया था। रीवा में बनाये गए केंद्रों में सेन्ट्रल एकेडमी, ज्योति स्कूल, सीक्रेट हार्ट कॉन्वेन्ट, बाल भारती, ज्ञानस्थली विद्यालय और डीपॉल स्कूल में परीक्षा आयोजित हुई। परीक्षा का समय कक्षा 6 के लिए दोपहर 2 बजे से साढ़े 4 बजे तक और कक्षा 9 के लिए दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक निर्धारित किया गया था। विभिन्न ज़िलों से परिजन अपने बच्चों को लेकर रीवा परीक्षा दिलाने पहुंचे हुए थे।

सलैया गांव में युवक की गोली मारकर हत्या, परिजनों ने लगाया लूट का भी आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सलैया गांव में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जहां उसकी लाश खेत में सुनसान जगह पर पड़ी मिली। घटना शुक्रवार देर रात की है। जहां डॉक्टरों ने गोली लगने से युवक के मौत की पुष्टि की है। एम्बुलेंस की मदद से युवक को इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों ने मोहित नाम के युवक पर शंका जाहिर की है।

पुलिस अब आरोपियों की धर पकड़ के लिए दबिश दे रही है। युवक की मौत के बाद जहां एक तरफ परिजनों में आक्रोश है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एडिशनल एसपी विवेक लाल के मुताबिक बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के सलैया निवासी 30 वर्षीय अर्पित सिंह बघेल का खेत में पड़ा मिला। घटना की जांच की जा रही है। जिसके बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।वहीं परिजनों के मुताबिक सिंगरौली का एक युवक घटना में शामिल हो सकता है। जिस पर परिजनों को शक है। युवक को सबसे पहले खेत में पड़े ग्रामीणों ने देखा। सूचना पाकर खेत में परिजन भी पहुंचे। बताया गया कि लगभग 2 साल पहले ही युवक ने लव मैरिज की थी।

लूट के बाद मारी सिर पर गोली

युवक की हत्या के मामले में परिजनों ने आरोपियों पर लूट का आरोप लगाते हुए एक युवक पर संदेह व्यक्त किया है। घटना के बाद पुलिस ने शनिवार को संजय गांधी अस्पताल में शव का पीएम कराया। जबकि संदेहियों से पूछताछ की जा रही है। घटना के संबंध में मृतक अर्पित उर्फ सत्यपाल सिंह बघेल उम्र 30 वर्ष निवासी सलैया के भाई राहुल सिंह बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि, शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे मृतक के दो दोस्त उससे मिलने आए थे, और उसे बुलाकर खेत की ओर ले गए। राहुल ने बताया कि दोनों संदेही चेहरा बांधे हुए थे और बाइक की नंबर प्लेट को ढके हुए थे। राहुल के मुताबिक आरोपियों ने लूट की वारदात को अंजाम देते हुए मृतक के सिर पर गोली मारी है। राहुल के मुताबिक आरोपियों ने एक लाख 80 हजार नक़दी सहित सोने की चैन और मोबाइल लूट लिया है। वहीं वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी का नाम मोहित शुक्ला सहित एक अन्य बताया जा रहा है। बैकुंठपुर पुलिस संदेह के आधार पर कुछ युवकों को पूछताछ के लिए थाने लाई है।

मऊगंज में 8 अप्रैल को समरसता सम्मेलन का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज में 8 अप्रैल को समरसता सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी द्वारा ये आयोजन किया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से मऊगंज में हो रही वारदातों के बाद बिगड़े माहौल में सम रसता लाने के उद्देश्य से ये आयोजन किया जा रहा है।

ज्ञानोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन 21 अप्रैल तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय रीवा में शिक्षा सत्र 2024-25 में कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में प्रवेश के लिए 21 अप्रैल को शाम 4 बजे तक आवेदन किया जा सकता है। स्कूल में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 7वीं में बालकों के लिए 12 तथा बालिकाओं के लिए 10, कक्षा 8वीं में बालकों के लिए 4 तथा बालिकाओं के लिए 16 एवं कक्षा 9वीं में बालकों के लिए 3 तथा बालिकाओं के लिए एक स्थान रिक्त है। सामान्य श्रेणी के बीपीएल परिवार, अन्य पिछड़ावर्ग एवं अनुसूचित जनजाति के लिए कक्षा 7वीं में बालकों के लिए 2 तथा बालिकाओं के लिए 4, कक्षा 8वीं में बालक के लिए एक एवं बालिकाओं के लिए 2 एवं कक्षा 9वीं में केवल बालिकाओं के लिए 4 स्थान रिक्त हैं। रिक्त स्थानों में परिवर्तन हो सकता है।

इस संबंध में प्राचार्य ने बताया कि आवेदन 21 अप्रैल को शाम 4 बजे तक कार्यालय में जमा होना अनिवार्य है। इसकी प्रवेश परीक्षा 23 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक ज्ञानोदय विद्यालय में आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा की मेरिट के अनुसार विद्यार्थी का चयन किया जाएगा। प्रवेश के लिए बी ग्रेड अथवा 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही आवेदन कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा और मैहर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 6 अप्रैल को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा और मैहर आएंगे। मुख्यमंत्री सुबह 10.40 बजे भोपाल से वायुयान से प्रस्थान कर सुबह 11.35 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री रीवा एयरपोर्ट से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर 12 बजे मैहर पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री मैहर में माँ शारदा के दर्शन तथा पूजा-अर्चना करने के बाद बंधा मैदान में आयोजित आमसभा को संबोधित करेंगे। समारोह में मुख्यमंत्री विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 3.20 बजे मैहर से हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर 3.40 बजे रीवा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री रीवा एयरपोर्ट से 3.45 बजे वायुयान से प्रस्थान कर शाम 4.40 बजे भोपाल पहुंचेंगे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।